श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 151 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, रविवार 20 मार्च 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

तीन सगी बहनों ने रचा इतिहास, वर्ल्ड ताइक्वांडो चैंपियनशिप में खेलेंगी साथ

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा की बेटियां भी खेलों में देश का परचम लहरा रही हैं। गुरुग्राम जिले के वजीराबाद गांव की तीन सगी बहनें विश्व ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2022 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह प्रतियोगिता 21 से 24 अप्रैल तक दक्षिण कोरिया के गोयांग शहर में आयोजित की जाएगी। इस चैंपियनशिप के लिए तीन बहनें प्रिया, गीता और रितु का चयन हुआ है। पहले भी इन तीनों बहनें कई बार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर पर कई बार पदक जीतकर जिले का नाम रोशन कर चुकी हैं। अब तीनों बहनें तैयारियों के लिए प्रैक्टिस में जुट गई हैं। विश्व ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2022 के लिए महाराष्ट्र के औरंगाबाद में 21 से 24 फरवरी तक सीनियर वर्ग अंडर-30 के लिए खिलाड़ियों का ट्रायल लिया गया था। इसमें देशभर के 1050 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। इस ओपन चयन प्रक्रिया में गुरुग्राम के वजीराबाद की रहने वाली तीनों बहनों ने अपनी-अपनी श्रेणी में अपना स्थान पक्का किया।

कई पदक अपने नाम कर चुकी हैं तीनों बहनें

पिता जितेंद्र सिंह ने बताया कि दूसरे नंबर की बेटी गीता वर्ष 2018 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। साउथ एशिया गेम्स 2019 में रजत पदक जीत कर भारत का नाम रोशन कर चुकी है। छोटी बेटी रितु भी 2019 में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी है। राष्ट्रीय स्तर पर भी कई बार पदक जीती है। बड़ी बेटी प्रिया ओपन इंटरनेशनल चैंपियनशिप में कई बार देश का प्रतिनिधित्व कर पदक जीत चुकी है। प्रिया ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में भी पदक जीत चुकी हैं।

छत्तीसगढ़ के राजनीतिक अखाड़े में आप की एंट्री, किया चुनाव लड़ने का ऐलान

नई दिल्ली/रायपुर (एजेंसी)। पंजाब में शानदार जीत के बाद, आम आदमी पार्टी (आप) की नजर अब छत्तीसगढ़ पर है और अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली पार्टी ने अगले साल आदिवासी बहुल राज्य में विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया है। योजना के तहत, आप के वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय सोमवार तक छत्तीसगढ़ के दो-दिवसीय दौरे पर हैं, ताकि राज्य में विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों को गति दी जा सके। छत्तीसगढ़ में फिलहाल कांग्रेस का शासन है। आप की पूर्वांचल इकाई के प्रभारी और बुराड़ी से विधायक संजीव झा, राय के साथ छत्तीसगढ़ के दौरे पर रहेंगे।

आप के एक नेता ने कहा कि अपनी यात्रा के दौरान राय आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की कार्य योजना तैयार करने के लिए आप नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ कई बैठकें करेंगे और राज्य में बड़े पैमाने पर सदस्यता अभियान भी शुरू करेंगे। वह रविवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पार्टी के प्रदेश कार्यालय का उद्घाटन करेंगे।

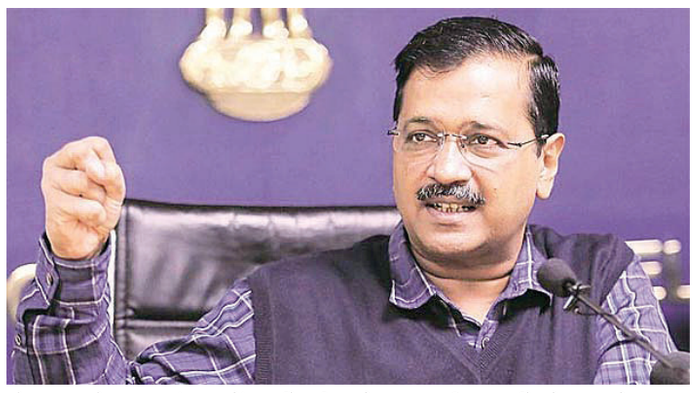

आप के एक नेता ने कहा कि सोमवार को, राय पंजाब में पार्टी की शानदार जीत को रेखांकित करने के लिए रायपुर में आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा निकाली जाने वाली विजय यात्रा में भाग लेंगे और पार्टी को छत्तीसगढ़ में कांग्रेस और भाजपा के एक विकल्प के रूप में पेश करेंगे।

यात्रा के उद्देश्य के बारे में पूछे जाने पर राय ने कहा, 'यह यात्रा अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए हमारी कार्य योजना तैयार करने के लिए है। अपनी विजय यात्रा के माध्यम से हम अपनी पार्टी का संदेश जनता तक पहुंचाएंगे।' आप के दिल्ली संयोजक राय ने कहा कि पार्टी ने अगले साल छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया है, क्योंकि राज्य के लोग, खासकर युवा और महिलाएं, कांग्रेस सरकार से निराश हैं और 'बदलाव' चाहते हैं।

उन्होंने कहा, 'अलग राज्य के रूप में गठन के बाद 15 वर्षों तक, भाजपा शासित छत्तीसगढ़ ने अपने वादों को पूरा नहीं किया। पिछले विधानसभा चुनाव में, लोगों ने बदलाव के लिए मतदान किया और कांग्रेस को अपना जनादेश दिया।' उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने साढ़े तीन साल के शासन के दौरान राज्य के लोगों से किए गए वादों को पूरा करने में भी 'पूरी तरह से विफल' रही है।

जनता बदलाव चाहती है-राय

राय ने कहा, 'कांग्रेस जहां आंतरिक झगड़ों से त्रस्त है, वहीं राज्य के लोगों, विशेषकर युवाओं, महिलाओं और आदिवासियों में बहुत निराशा है। उन्होंने भाजपा शासन और कांग्रेस को भी देखा है। अब, वे बदलाव चाहते हैं।' आप ने 2018 में छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में कुल 90 सीटों में से 85 पर अपने उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन एक भी सीट पर जीत दर्ज नहीं कर पाई थी।

यूक्रेन पर परमाणु हमले का खतरा बढ़ा, पुतिन ने परिवार को साइबेरिया भेजा, वॉर ड्रिल के दिए आदेश

मॉस्को (एजेंसी)। यूक्रेन के साथ बढ़ते तनाव के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने न्यूक्लियर वॉर इवैक्युएशन ड्रिल का आदेश दिया है। ब्रिटेन की कई मीडिया रिपोर्टों में टेलीग्राम चैनलों के हवाले से यह दावा किया गया है। एक तरफ जहां रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने को लेकर बातचीत जारी है, वहीं दूसरी तरफ इस वॉर में न्यूक्लियर बम के इस्तेमाल होने का खतरा बढ़ने की आशंका है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि पुतिन परमाणु युद्ध की ओर बढ़ रहे हैं। न्यूक्लियर वॉर इवैक्युएशन ड्रिल की रिपोर्ट ने क्रेमलिन के अधिकारियों को झकझोर दिया है। दरअसल, एक दिन पहले ही रूसी सैनिकों ने पश्चिमी यूक्रेन पर हाइपरसोनिक मिसाइलों से हमला किया है। इस हमले में यूक्रेन का हथियारों से भरा अंडरग्राउंड स्टेशन तबाह हो गया है। यूक्रेन ने भी दावा किया है कि रूसी हमले में अब तक 112 मामूमों की जान जा चुकी है।

दावों के अनुसार, क्रेमलिन की सीनियर राजनीतिक हस्तियों को खुद पुतिन ने चेतावनी दी है कि वे न्यूक्लियर वॉर इवैक्युएशन ड्रिल में भाग लेंगे। पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव पर अब रूस की सुरक्षा की बड़ी जिम्मेदारियों हैं। मेदवेदेव और संसद के दो सदनों के वक्ताओं (व्याचेस्लाव वोलोडिन और वेलेंटीना मतविएन्को) को परमाणु युद्ध के बारे में जानकारी दी गई है।

कहां हैं पुतिन के परिवार के लोग?

पुतिन के परिवार के सदस्यों के बारे में बहुत कुछ नहीं पता है। रिपोर्टों में दावा किया गया कि रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होते ही पुतिन ने तत्काल अपने परिवार के अज्ञात सदस्यों को साइबेरिया भेज दिया। यहां अल्ताई पर्वत को हाई-टेक भूमिगत बंकर में बदल दिया गया है, जो पूरी तर भूमिगत शहर है। ऐसा कहा जा रहा है कि पुतिन के परिवार के लोग इसी बंकर में रह रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में बनेगा एशिया का सबसे बड़ा फॉसिल्स पार्क संरक्षित किये जाएंगे 25 करोड़ साल पुराने जीवाश्म

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ का पहला और एशिया का सबसे बड़ा समुद्री फॉसिल्स पार्क कोरिया जिले के मनेंद्रगढ़ शहर में बनेगा। इस पार्क में 25 करोड़ साल पुराने समुद्री फॉसिल्स के समृद्ध संग्रह की खोज को संरक्षित किया जाएगा। पार्क का निर्माण हसदेव नदी के आमाखेरवा में किया जा रहा है। 21 मार्च को विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर सीएम भूपेश बघेल इस पार्क की नींव रखेंगे। छत्तीसगढ़ के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि होगी।

बता दें कि आमाखेरवा में समुद्री फॉसिल्स होने की जानकारी वर्ष 2012 में मिली थी। वर्ष 2015 में बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट आफ पैलियोबाटनी, लखनऊ के विशेषज्ञों ने यहां 25 करोड़ साल पुराने समुद्री फॉसिल्स की पुष्टि की थी। वन विभाग द्वारा 2015 में ही फॉसिल्स वाले हिस्सों की घेराबंदी कर हेरिटेज के रूप में

विकसित कर दिया गया था। आमाखेरवा क्षेत्र में हसदेव नदी के बीच करीब एक किलोमीटर का क्षेत्र है, जो बड़ी मात्रा में समुद्री जीवों और वनस्पतियों के जीवाश्म से भरा हुआ है। यहां बाइवाल्व मोलस्का, यूरीडेस्मा और एवीक्यूलोपेक्टेन आदि समुद्री जीवों के जीवाश्म मौजूद हैं। इनके अलावा पेलेसिपोड्स, गैस्ट्रोपोड्स, ब्रेकियोपोड्स, ब्रायोजोअन्स और क्रिएनड्स प्रजाति के जीव भी हैं।

क्या है फॉसिल्स

फॉसिल्स से तात्पर्य वह समुद्री जीव-जंतु जो करोड़ों वर्ष पहले समुद्र में रहते थे। प्राकृतिक परिवर्तन एवं पृथ्वी के पुनर्निर्माण में समुद्र में रहने वाले जीवों के अंश पत्थरों में दब गए। यह फॉसिल्स पृथ्वी के परिवर्तन के वैज्ञानिक साक्ष्य हैं। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार जिस तरह का फॉसिल्स मनेंद्रगढ़ में है। उस तरह का फॉसिल्स भारत में सुबांसरी (अरुणाचल प्रदेश), राजहरा (झारखंड), दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल) और खेमगांव (सिक्किम) में पाया जाता है। अफ्सरों के मुताबिक 21 मार्च को विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर सीएम भूपेश बघेल पार्क की नीव रखेंगे। पार्क के निर्माण में विशेषज्ञों की मदद ली जाएगी।

हिजाब विवादः फैसला सुनाने वाले तीनों जजों को कर्नाटक सरकार ने दी वाय कैटेगरी की सुरक्षा, मिली थी हत्या की धमकी

बेंगलुरु (एजेंसी)। हिजाब विवाद मामले में फैसला सुनाने वाले हाईकोर्ट के न्यायाधीशों को कर्नाटक सरकार ने सुरक्षा देने का फैसला किया था। खबर आई थी कि जजों को जान से मारने की धमकी मिली है। इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला भी दर्ज किया है। पुलिस में एक वायरल वीडियो को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई थी। 15 मार्च को कर्नाटक हाईकोर्ट ने शैक्षणिक संस्थानों में वर्दी को लेकर राज्य सरकार के आदेश को बरकरार रखा था। साथ ही कहा था कि इस्लाम में हिजाब अनिवार्य प्रथा नहीं है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने कहा, 'हमने हिजाब पर फैसला सुनाने वाले तीनों जजों को 'वाय' कैटेगरी सुरक्षा देने का फैसला किया है। मैंने डीजी और आईजी को विधानसौधा थाने में दर्ज शिकायत पर जांच के आदेश दिए हैं, जिसमें कुछ लोगों ने न्यायाधीशों को जान से मारने की धमकी दी है।' हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अवस्थी, जस्टिस कृष्णा दीक्षित और काजी एम जैबुन्निसा की तीन

सदस्यीय बेंच ने हिजाब मामले में फैसला सुनाया था।

एक्शन में आई पुलिस

कर्नाटक उच्च न्यायालय के तीन जजों को धमकी देने पर तमिलनाडु में में तीन लोगों के खिलाम मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि कोर्ट के आदेश के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर तमिलनाडु तौहीद जमात (टीएनएमजे) के तीन पदाधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि तौहीद जमात ने फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के लिए कोरीपलायम इलाके में एक जनसभा आयोजित की थी, जिसमें कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी की गई। इसके कुछ समय बाद ही तीन पदाधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी। इसमें आरोप लगाए गए थे कि आयोजकों ने उच्च न्यायालय के जजों को हत्या की धमकी दी है।

मौसमः बंगाल की खाड़ी में बन रहा निम्न दबाव क्षेत्र, साल के पहले तूफान 'असानी' को लेकर हेल्पलाइन नंबर जारी

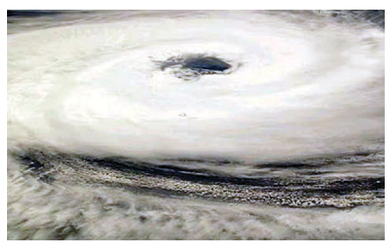

नई दिल्ली (एजेंसी)। सर्दी को जाते देर नहीं हुई कि गर्मी अपना प्रचंड रूप दिखाने लगी है। दिन के समय निकल रही तेज धूप के कारण पारा अचानक से ऊपर चढ़ रहा है, जिसका असर रात तक हो रहा है और उमस लोगों को परेशान कर रही है। इस बीच बंगाल की खाड़ी में साल के पहले चक्रवाती तूफान असानी ने दस्तक दी है।

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफान बन रहा है, जिसके 21 मार्च तक अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तक पहुंचने की आशंका है। इस तूफान को लेकर प्रशासन पहले से ही अलर्ट हो गया है और निचले इलाकों में रह रहे लोगों को निकालना शुरू कर दिया गया है।

भारी बारिश की संभावना

भारतीय विज्ञान विभाग केंद्र के मुताबिक, दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी से कम दबाव का क्षेत्र अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के साथ-साथ उत्तर की ओर बढ़ रहा है और आज इसके दबाव में तेजी आने की संभावना है। जिससे यह सोमवार तक चक्रवाती तूफ्न में बदल सकता है। इसके बाद, इसके उत्तर-उत्तर-पूर्व की बढ़ने की भी आशंका जताई जा रही है। 22 मार्च की सुबह तक यह बांग्लादेश-उत्तरी म्यांमार के तटों के पास पहुंच सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के अलावा अन्य स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है।

प्रशासन ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

आने वाले तूफान को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट हो गया है। यात्रियों व अन्य लोगों के लिए हेल्पलाइन नंबर 03192-245555/232714 और टोल-फ्री नंबर - 1-800-345-2714 जारी किया है। इसके अलावा नौकायन को भी रद्द कर दिया गया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि उत्तर पश्चिमी भारत के तापमान में दो डिग्री तक गिरावट आने की संभावना बन रही है। इसके अलावा पश्चिमी, मध्य व दक्षिणी भारत के कुछ हिस्सों में भी तूफान के कारण तापमान में गिरावट आ सकती है। बाकी हिस्सों में तापमान में कोई बदलाव नहीं होगा।

पाकिस्तान में बड़ा धमाकाः सियालकोट मिलिट्री बेस पर जबरदस्त विस्फोट, चारों तरफ आग ही आग

इस्लामाबाद (एजेंसी)। उत्तरी पाकिस्तान से बड़ी जानकारी सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि सियालकोट में मिलिट्री बेस पर सिलसिलेवार धमाके हुए हैं। चारों तरफ आग की लपटें दिखाई दे रही हैं। विस्फोट की आवाज कथित तौर पर पंजाब प्रांत के छावनी क्षेत्र के पास सुनी गई। द डेली मिलाप के संपादक ऋषि सूरी ने एक ट्वीट में कहा कि उत्तरी पाकिस्तान में सियालकोट सैन्य अड्डे पर कई धमाके हुए हैं। प्रारंभिक संकेत हैं कि यह एक गोला बारूद भंडारण क्षेत्र है। चारों तरफभीषण आग जल रही

है। कारण का अभी तक पता नहीं चला है।

धमाके में हो सकता है भारी नुकसान

इस धमाके के बाद पाकिस्तान में दहशत का माहौल है। लोग डरे हुए हैं। वहीं इस धमाके में अभी कितना नुकसान हुआ है इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। जिस तरह से सिलसिलेवार धमाके हुए हैं उससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि भारी जान-माल का नुकसान हुआ हो। इस धमाके के पीछे किसका हाथ है इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पाकिस्तान में पहले भी इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। बलूच विद्रोहियों द्वारा अक्सर सैन्य अड्डों को निशाना बनाया जाता रहा है।

वहीं, धमाके के बाद सोशल मीडिया पर कई वीडियो शेयर किए जा रहे हैं। इन वीडियो में देखा जा सकता है कि मिलिट्री बेस के ऊपर से आग की लपटें हवा में फैल गई हैं। चारो तरफ धुआं ही धुआं नजर आ रहा है।

पूजा में शामिल होने यूपी जा रहा परिवार हादसे का शिकार तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई, तीन की मौत, एक गंभीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश की सीमा पर मधुटिकरा में शनिवार तड़के भीषण सड़क हादसे में स्विफ्ट कार सवार 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं एक गंभीर रूप से घायल है। कार में सूरजपुर के पत्रकार उपेंद्र दुबे का परिवार था। वे पारिवारिक पूजा में शामिल होने के लिए उत्तर प्रदेश के बम्हनी जा रहे थे। हादसा तेज रफ्तार कार के पेड़ में टकरा जाने के कारण हुआ।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सूरजपुर के पत्रकार उपेंद्र दुबे का पारिवारिक पूजा में शामिल होने बम्हनी

जा रहे थे। वे सूरजपुर से देर रात रवाना हुए थे। जिस स्वीफ्ट कार में यह परिवार सवार था। वह बम्हनी के मधुटिकरा के पास अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई।

हादसे से शोक में डूबा सूरजपुर

हादसे में पत्रकार उपेंद्र दुबे की मां मानमती दुबे (70 वर्ष), उपेंद्र दुबे की पत्नी देव रुपी दुबे (55 वर्ष) और उनके पुत्र नवीन दुबे की मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल पत्रकार उपेंद्र दुबे को अंबिकापुर स्थित जीवन ज्योति अस्पताल भर्ती कराया गया है। हादसे से सूरजपुर में शोक है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को विवेचना में लिया है।

मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटना में वरिष्ठ पत्रकार उपेंद्र दुबे के परिवार के तीन सदस्यों की मृत्यु पर गहरा दुख प्रकट किया

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सड़क दुर्घटना में सूरजपुर के वरिष्ठ पत्रकार उपेंद्र दुबे के परिवार के तीन सदस्यों की मृत्यु पर गहरा दुख प्रकट किया है। छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश की सीमा पर मधुटिकरा के पास हुए सड़क हादसे में उपेंद्र दुबे की माता, पत्नी और पुत्र का निधन हो गया है, जबकि उपेंद्र दुबे गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, उन्हें अंबिकापुर के एक अस्पताल में उपचार के लिए दाखिल कराया गया है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन सरगुजा को उपेंद्र दुबे के इलाज की बेहतर से बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

संपादकीय

सबकी होली

हमारे जीवन में सद्भाव के कुछ ऐसे मुखर पड़ाव होते हैं, जिनका सबको इंतजार रहता है। ऐसा ही एक जीवंत पड़ाव है होली, जिसे कोई मनाकर खुश होता है, तो कोई देखकर, तो किसी के लिए यह व्यवसाय का मौका भी है। किसी के लिए स्वाद या व्यंजनों का मेला है, तो किसी के लिए पूजा और अर्चना है। किसी के लिए सद्भाव प्रदर्शन का पल है, तो किसी के लिए सारे द्वेष भुलाकर संबंधों को पुनर्नवा करने का सुअवसर। किसी के लिए महज पिचकारी है, तो किसी के लिए महज गुलाल या रंग। किसी के लिए संगीत है, तो किसी के लिए लोकगीत है। किसी के लिए गोबर, मिट्टी है, तो किसी के लिए साफ-सफाई है होली। जितनी अंतर्मुखी है होली, उतनी ही बहिर्मुखी। इस बसंतोत्सव का मोहक विस्तार ऐसा है कि इसमें सभी के लिए कुछ न कुछ अवश्य है।

> इस युद्ध की छाया हम पर भी लंबे समय तक कायम रहने वाली है। आस-पड़ोस से जो आपात स्थित निर्मित हो रही है, वह भी हमें कुछ बताना-सिखाना चाहती है। उद्यमशील होने के अलावा, सद्भावी, देशप्रेमी और मितव्ययी होना भी समय की मांग है। किसी भी तरह के गलत आयोजन में हमें अपने तन-मन-धन का अपव्यय नहीं करना चाहिए। सतत विकास की ओर अग्रसर समाज में यदि होलिका और होली के भाव-प्रयोजन को ज्यादा से ज्यादा लोग समझें, तो हम और हमारा देश मेल-मिलाप का आदर्श बना रहे।

तमाम त्योहारों की तरह यह भी बुराई पर जीत का जयघोष है। बुराई के राख हो जाने के इस महोत्सव से पहले हमें यह भी सोच लेना चाहिए कि आज के दौर में हमारे सामने सबसे बड़ी बुराइयां क्या हैं? एक तो महामारी है, जो हमें लगातार तनाव दे रही है। साल 2020 में जब होली आई थी, तब लॉकडाउन तो नहीं लगा था, लेकिन कोरोना का साया मंडराने लगा था, फिर जब 2021 में होली आई, तब हम पहली बार दूसरी लहर के बीच थे। लॉकडाउन का भी शिकंजा कमोबेश कायम था, पर अब 2022 में लॉकडाउन पीछे छूट चुका है, अधिसंख्य लोगों ने मास्क उतार दिया है, अत: हम कह सकते हैं कि दो साल बाद अब होली की सहज वापसी हुई है। हालांकि, देश के पांच लाख से भी ज्यादा परिवारों में यह उतनी सहज नहीं होगी, लेकिन तब भी अगर यह निराश लोगों को उत्सव के दायरे में ले आए, तो यह इस होली की विशेष उपलब्धि होगी। अपने आसपास के अभावग्रस्त परिवारों को ही नहीं, बल्कि शोकग्रस्त परिवारों को भी उत्सव की रंगीन धारा में लाने का प्रयास अगर कुछ लोग कर सकें, तो यह होली सार्थक सिद्ध हो जाएगी। यह कतई दिखावे का त्योहार नहीं है, होली स्वयं को और दूसरों को सहज-स्वाभाविक बनाने की बेला है। यह अहंकार का चोला उतारकर हाथ बढ़ाने और गले लगाने का अवसर है। ध्यान रहे, होली इस देश की एक खासियत में शुमार है। इस त्योहार ने भी देश को सशक्त करने में अपना योगदान दिया है। इस त्योहार के लिए कोई अनजान या पराया नहीं है, भारत में आज भी अनेक स्थानों पर रंग या गुलाल को सभी पर उड़ेल या बिखेर दिया जाता है। यह नहीं देखा जाता कि कौन परिचित है, कौन अपरिचित, होली में तो सब अपने हैं। ऐसा निश्छल अपनापन अन्य किसी भी त्योहार में नहीं है। हमें अवश्य परखना चाहिए कि हम अपने परिवार, देश, समाज में ऐसे अपनत्व को बढ़ा रहे हैं या घटा रहे हैं?

इस होली पर सहसा ध्यान जाता है कि अपने मित्र देशों में युद्ध चल रहा है। इस युद्ध की छाया हम पर भी लंबे समय तक कायम रहने वाली है। आस-पड़ोस से जो आपात स्थित निर्मित हो रही है, वह भी हमें कुछ बताना-सिखाना चाहती है। उद्यमशील होने के अलावा, सद्भावी, देशप्रेमी और मितव्ययी होना भी समय की मांग है। किसी भी तरह के गलत आयोजन में हमें अपने तन-मन-धन का अपव्यय नहीं करना चाहिए। सतत विकास की ओर अग्रसर समाज में यदि होलिका और होली के भाव-प्रयोजन को ज्यादा से ज्यादा लोग समझें, तो हम और हमारा देश मेल-मिलाप का आदर्श बना रहे।

होली के इस अवसर पर ईश्वर से यही प्रार्थना है कि अपने देश का हर व्यक्ति स्वस्थ रहे और होली उसके लिए मंगलमय हो। कोविड काल हम सबके लिए एक विनाशकारी दौर रहा है। आहिस्ता-आहिस्ता हम इससे उबर रहे हैं। इसलिए, जितना हो सके, स्वस्थ रहें। रंग और पिचकारी खेलें। खूब मस्ती करें। शैतानियां करें। मगर मर्यादा का भी पूरा ख्याल रखें। इन्हीं शुभकामनाओं के साथ सबको होली की मुबारकबाद!

खेल रहि रंग होरी उनके दोउ नैना

साजन मिश्र,प्रख्यात शास्त्रीय गायक

होली के रंग शरीर के साथ-साथ आत्मा को भी भिगोते हैं। यह अकेला ऐसा उत्सव है, जिसमें परंपरा भी है और मस्ती भी। होरी गायन में इसकी झलक देखी जा सकती है। देखो लला, मेरी आंख न खटके, कौन तरह से तुम खेलो होरी। इस होरी में राधा या जो भी गोपियां हैं, उनका भाव यह है कि देखो कान्हा, इस तरह से होली खेलो कि आंख में अबीर या गुलाल या रंग नहीं जाए। अगर आंख में चला गया, तो गारी मैं दूंगी, तोहे न छोडूंगी, अबकी फाग में तोहे भी रंगूंगी, यानी मैं तुम्हें गाली दूंगी और तुम्हें भी न छोडूंगी, रंगों से तुमको भी रंग दूंगी। बेशक, बनारस में मसाने की होली भी खेली जाती है, लेकिन हम लोग वृंदावन क्षेत्र के भाव में रहते हैं। काशी जरूर विराजते हैं, मगर वृंदावन वाली होरी गाते-बजाते हैं। जैसे, खेल रहि रंग होरी उनके दोउ नैना, जैसे चांद और चकोरे, खेल रहि रंग होरी उनके दोउ नैना या खेलत अबीर गुलाल, घनश्याम मिली गोपिन संग।

होली के दिन मुझे अनायास बचपन याद आ जाता है। उन दिनों बनारस में बड़ी हुड़दंगी होली हुआ करती थी। तब गुब्बारों का चलन नहीं था। सभी बच्चों के हाथों में पिचकारी हुआ करती थी। मेरी दादी हम दोनों भाइयों (बड़े भाई पंडित राजन मिश्र) को पीतल की बड़ी-बड़ी पिचकारियां देती थीं। हमारे साथ एक सहायक भी चला करता था, जो रंग भरी बाल्टी लिए होता था। अमूमन उम्र में एकाध साल छोटे लड़के को ही यह जिम्मेदारी मिला करती थी। पूरा मोहल्ला मिलकर होली खेलते।

थोड़ी देर तक हम पिचकारी चलाते, फिर अपने सहायक को चलाने के लिए दे दिया करते।

हम परिचित-अपरिचितों को रंग-अबीर तो लगाते ही थे, चुहलबाजियां भी किया करते। ऐसी ही एक घटना में हम लोगों ने एक छोटे बच्चे को सब्जी वाली बड़ी सी टोकरी में बैठाकर उसके ऊपर चादर डाल दी थी। मैंने टोकरी का एक सिरा यूं पकड़ा, मानो उसे उठाना चाहता हूं, लेकिन भारी होने के कारण उठा नहीं पा रहा हूं। एक राहगीर की नजर मुझ पर पड़ी और वह मेरी मदद को आया। वह जैसे ही टोकरी उठाने के लिए झुका, बच्चे ने हो-हो कहकर उस पर रंग डाल दिया। हमारी इस तरह की शैतानियां होलिका दहन से ही शुरू हो जाती थीं। होलिका दहन के लिए हम लकड़ियां चुना करते। किसी के घर में यदि कोई लकड़ी हमें दिख जाती, तो हम उसे बताए बिना चुपचाप उड़ा ले आते। कई बार इसके लिए उनकी शिकायतें भी घर आती थीं। लेकिन पिताजी (पंडित हनुमान मिश्र) जानते थे कि होली बच्चों का त्योहार है, इसलिए हमें थोड़ा-बहुत डांटकर उनकी बातों को नजरंदाज कर देते थे।

उन दिनों मोहल्ले-मोहल्ले में होलिका दहन की प्रतियोगिता भी होती थी कि किसकी होलिका कितने दिनों तक जली? अमूमन होली से एक रात पहले होलिका दहन होता, जिसकी आग होली के अगले दिन तक सुलगती रहती। पड़ोस के मोहल्ले से पता किया जाता कि किसकी होलिका ज्यादा देर तक जली। इसका एक अलग उल्लास हम बच्चों में रहा करता था।

मुझे याद है कि किस तरह होली पर हम भाई धमा-चौकड़ी मचाया करते थे। हम दिन में रंग खेलते, और शाम को अबीर-गुलाल। दादी हम भाइयों को टीका लगाकर हाथ में कुछ पैसे दे देतीं। हमें बादाम-अखरोट का पैकेट भी दिया जाता और गले में खजूर-नारियल लगी माला पहना दी जाती। उन दिनों बनारस में ऐसी मालाएं खूब बिका करती थीं। कहा जाता था कि दिन भर भीगे रहने के कारण शरीर ठंडा हो जाता है, जिसके कारण सूखे मेवे या ड्राई फ्रूट की गरमाहट जरूरी है। माला से तोड़-तोड़कर हम लोग खजूर-नारियल खाया करते थे।

वे हमारे लिए स्वर्णिम दिन थे। जिस कबीर चौरा मोहल्ला में हम रहा करते थे, वह कलाकारों का मोहल्ला है। सारे कलाकार हमारे यहां आते, बैठते और बादाम-पिस्ता की ठंडई पीते थे। फिर गाना-बजाना होता था। कभी-कभी बीच में पिताजी हमें भी आवाज लगाने को कहते, तो हम लगाया करते। अब तो धीरे-धीरे सब कुछ बदल गया। हालांकि, पिछले करीब 10 वर्षों से हम भाई बनारस जाकर ही होली खेला करते थे। शाम को गाना-बजाना होता, जिसमें कुछ स्थानीय कलाकार भाग लेते थे। बाद में हम भी गाते थे। मगर अब सब कुछ खत्म हो गया है। समय के साथ दुनिया ही बदल गई है। भैया भी होली को लेकर इतने उत्साहित रहा करते थे कि दो महीने पहले से ही टिकट लेने की ताकीद किया करते। तब उत्साह देखने लायक होता था।

वैसे, बनारस आज भी परंपराओं को जीता है। आज भी होली की शाम जब लोग आपस में मिलते हैं, तो अबीर-गुलाल का टीका लगता है। कोशिश यही होती है कि सभी श्वेत वस्त्र पहनें। आज भी घरों से होलिका दहन के लिए कंडे, लकड़ी का टुकड़ा, मिठाई आदि हाथों का स्पर्श लगाकर भेजे जाते हैं। पूर्वजों की उस मान्यता में हमारा आज भी विश्वास है कि यदि आप हाथ का स्पर्श लगाकर दान करते हैं, तो होलिका दहन के साथ रोग वगैरह भी खत्म हो जाते हैं। इस नियम को मेरा परिवार आज भी मानता है। गायन होली का बहुत खूबसूरत पक्ष है। तकनीक की कसौटी पर भले ही फाग आपको पसंद न आए, लेकिन जिस खूबसूरती से लोग इसका गायन करते हैं, वह मन को मोह लेता है। हम कलाकार होरी सुनते भी हैं और गाते भी हैं। वैसे तो, किसी भी कलाकार का गायन मुझे नापसंद नहीं है, लेकिन पिताजी, चाचाजी (पंडित गोपाल मिश्र) और बड़े भैया के साथ-साथ पंडित हरिशंकर मिश्र, श्रीचंद्र मिश्र, गिरिजा देवी, सिद्धेश्वरी देवी, रामू पंडित जैसे कलाकारों का गायन खास पसंद रहा है।

होली के इस अवसर पर ईश्वर से यही प्रार्थना है कि अपने देश का हर व्यक्ति स्वस्थ रहे और होली उसके लिए मंगलमय हो। कोविड काल हम सबके लिए एक विनाशकारी दौर रहा है। आहिस्ता-आहिस्ता हम इससे उबर रहे हैं। इसलिए, जितना हो सके, स्वस्थ रहें। रंग और पिचकारी खेलें। खूब मस्ती करें। शैतानियां करें। मगर मर्यादा का भी पूरा ख्याल रखें। इन्हीं शुभकामनाओं के साथ सबको होली की मुबारकबाद!

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

इसे फूहड़ लोक गीतों का उत्सव नहीं बनाइए

उमेश चतुर्वेदी,वरिष्ठ पत्रकार

बासंती दिनों में मन का बौराना सहज है। लेकिन भद्र मानव समाज के नाते इस बौराने में भी शील होना चाहिए। पौराणिक काल से ही फागुआ हास्य और लास्य का त्योहार है। इस हास्य और लास्य की भी सीमाएं होती हैं। पर क्या होली के दिनों में इन हदों का ध्यान रखा जाता है? खासकर पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में? बसंत पंचमी के बाद से ही इन इलाकों के चट्टी-चौराहे सुबह से देर रात तक कानफाड़ू गीतों से गूंजने लगते हैं, और यह बुढ़वा मंगल के बाद तक जारी रहता है।

वैसे तो सार्वजनिक समारोहों में ध्वनि विस्तारक यंत्रों की टाइमिंग और उनकी तेजी का मानदंड सुप्रीम कोर्ट ने तय कर रखा है, लेकिन जब दिल्ली में ही इसका ध्यान नहीं रखा जाता, तो दूरदराज के इलाकों में कोई क्यों परवाह करने लगे? फिर इन गीतों के बोल ऐसे हैं, जिनको महिलाएं तो छोड़िए, कोई सभ्य समाज शायद ही पचा पाए। लेकिन बरसों से हर साल होली के समय होलियाना मूड के नाम पर अश्लीलता का यह कार्य-व्यापार जारी है।

महाभारत के पुरुष सूक्त के मुताबिक, फागुआ मन-मंदिर की सफाई का त्योहार है। शायद यही वजह है कि फाग के राग में हास्य और लास्य का विधान हुआ। लेकिन बदलते दौर के साथ सोच बदलती गई। हमारा सामाजिक-सांस्कृतिक इतिहास इसका गवाह है। लेकिन सवाल यह है कि होली के दिनों में पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड का समाज फागुआ के मूल भाव को क्यों भूल जाता है? बासंती राग के बहाने अश्लील संगीत का सार्वजनिक कारोबार क्यों फलने-फूलने लगता है? आज जब पूरी दुनिया बदल रही है, तकनीक के साथ सांस्कृतिक-सामाजिक बदलाव के नए मानदंड स्वीकार किए जा रहे हैं, तब देश के अनेक समाज भौंडे और द्विअर्थी गीतों में ही अपने फाग के राग ढूंढ़ने में मसरूफ हैं? निश्चित तौर पर राज्य की भी जिम्मेदारी है कि वह ऐसे तत्वों पर लगाम लगाए। हालांकि, फिल्मी दुनिया के संदर्भ में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की व्याख्याओं का जैसा दौर चल रहा है, हो सकता है कि राज्य की ऐसी कार्रवाई पर सवाल उठने लगे। वैसे, राज-व्यवस्था ने पूर्व में कभी अश्लीलता के इस कारोबार को रोकने की कोई कोशिश की हो, ऐसा उदाहरण कम ही मिलता है।

समाज में गीत और गायन की उदात्त और समृद्ध परंपरा को क्या भुला दिया गया है? बसंत के सांस्कृतिक महत्व को जताने वाले गीतों की इसमें समृद्ध परंपरा रही है। तकनीक व संचार माध्यमों के विस्तार से पहले के दौर में इनको सामूहिक तौर पर गाने की परंपरा रही है। गांव-गांव देवस्थान से फाग के राग की शुरुआत की परंपरा रही। सामूहिक गायन में पहला गीत देव को ही समर्पित होता रहा है। इन गीतों में अवध के राजा राम और ब्रज के बांके बिहारी की होरी के उदात्त चित्रण मिलते हैं। पंडित छन्नू लाल मिश्र सरीखे लोगों ने आज भी इस परंपरा को बचाकर रखा है। लेकिन दुर्भाग्यवश पिछले कुछ दशकों से खासकर भोजपुरी व कुछ अन्य लोक संगीत का मतलब अश्लीलता से लगाया जाने लगा है। जिस भोजपुरी में सिने-निर्माण की शुरुआत गंगा मइया तोहे पियरी चढ़इबो से हुई, जहां लागी नाही छूटे राम जैसी सार्थक व विचारोत्तेजक फिल्में बनीं, वहां धीरे-धीरे ऐसी फूहड़ फिल्में बनने लगीं, जिनमें उस समाज का सच्चा अक्स तो नहीं ही होता, कलात्मक मर्यादा की तमाम सीमाएं भी टूट जाती हैं। इसका असर यह हुआ है कि गीत-संगीत के छिछोरे कार्यक्रमों की बाढ़-सी आ गई है। होली पर तो इनका चरम दिखता है। इसका असर दिल्ली की भोजपुरी-मैथिली अकादमी तक दिखता है। यह अकादमी गंभीर विमर्श के बजाय गीत-संगीत के कार्यक्रमों के आयोजन और उन्हें मदद देने वाले संस्थान के तौर पर जानी जाने लगी।

होली के दिनों में पिछले कुछ दशकों से जारी अश्लीलता का राग माहौल को फूहड़ बना देता है। वक्त आ गया है कि संस्कृति के इस ओछे कारोबार पर रोक लगाने को लेकर गंभीर विचार हो। फूहड़ता का विस्तार हरेक सांस्कृतिक उन्नयन की राह में बाधक होता है। संचार व तकनीकी क्रांति के इस दौर में दुनिया भर की लोक-संस्कृतियां अब हर उस व्यक्ति की पहुंच में हैं, जो तकनीक का इस्तेमाल करता है। ऐसे में, जब उसे पता चलता है कि अन्य कुछ लोक-संस्कृतियों के बरक्स भोजपुरी कला-संस्कृति की भी उदात्त व समृद्ध परंपरा भी रही है, तब उसे फूहड़ लोक कलाकारों पर कोफ्त ही होती है। शिक्षा के प्रसार से अब गांव-गिरांव की सोच बदल रही है। अब देहाती दुनिया में भी त्रियां घर से बाहर निकलने लगी हैं। पर बाहर निकलते ही उनका पाला फूहड़ गीतों से पड़ता है, तो उनके लिए स्थिति काफी असहज हो जाती है। जरूरी है, इन इलाकों का समाज खुद सोचे कि उसे फूहड़ता चाहिए या लोक रंग की समृद्ध परंपरा? राज-व्यवस्था भी तभी आगे आएगी, जब समाज इसे लेकर जागरूक होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

कलेक्टर ने दी 16 लाख 32 हजार 500 रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति

कोरिया। कलेक्टर ने जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना के तहत संबंधित विधायकों के अनुशंसा पर 16 लाख 32 हजार 500 रूपये की राशि की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। जिसमें विकासखण्ड बैकुण्ठपुर के ग्राम पंचायत जमगहना के बबलू घर से रघुवर घर के हैण्डपंप की ओर सी0सी0 सड़क निर्माण कार्य व ग्राम पंचायत अमहर वार्ड नम्बर 07 में शिव मंदिर के पास शेड़ निर्माण कार्य शामिल है। प्रत्येक निर्माण कार्य हेतु 5 लाख 20 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। इसी तरह विकासखण्ड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम पंचायत पाराडोल में शेड निर्माण कार्य में 2 लाख रूपये, नगर पालिका मनेन्द्रगढ़ में वार्ड क्रमांक 22 चर्च के पास शेड़ सह चेकर्स टाईल्स निमार्ण कार्य 2 लाख रूपये व वार्ड क्रमांक 22 चर्च के पास आमाखेरवा में दुर्गा मंदिर के पास शेड़ निर्माण कार्य हेतु 1 लाख 92 हजार 500 रूपये की राशि स्वीकृत की गई है।

कार्य विस्तार को लेकर दल्लीराजहरा भाजपा मण्डल की हुई बैठक

दल्लीराजहरा। भारतीय जनता पार्टी जिला बालोद के जिलाध्यक्ष कृष्णकांत पवार के निर्देशानुसार भाजपा दल्लीराजहरा मंडल कार्यसमिति की बैठक अटल योग सदन में रखी गई। जिसमें भाजपा जिला उपाध्यक्ष व भाजपा दल्ली राजहरा मंडल प्रभारी नरेश यदु ने जानकारी दी कि भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ द्वारा निर्णय लिया गया है की कुशाभाऊ ठाकरे जन्म शताब्दी के अवसर पर प्रदेश में कार्य विस्तार योजना 11 अप्रेल 2022 से 20 अप्रेल 2022 से तक चलाई जाएगी। इस योजना के तहत प्रदेश के सभी शक्ति केन्द्रों में 10 दिवस का समय दान करने वाले विस्तारकों का नाम चयन कर भेजना सुनिश्चित करना है। इस योजना के सम्बन्ध में सम्पूर्ण कार्ययोजना पत्र के साथ संलग्न कर प्रेषित की जा रही है। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला बालोद के जिलाध्यक्ष जितेन्द्र साहू ने संगठन में कार्यकर्ताओं के कार्यशैली एवं उत्कृष्ट कार्यकर्ताओं के विषय में जानकारी दी ।

तीन वर्षों में हुए विकास देखना हो तो हमारे साथ चलें - विक्रम मंडावी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। ज़िला कांग्रेस कमेटी बीजापुर द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता में बीजापुर के विधायक एवं बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विक्रम शाह मंडावी ने भाजपा नेत्री व भाजपा की प्रदेश प्रभारी डी? पुरंदेश्वरी के आरोपों को सिरे से ख़ारिज करते हुए कहा कि भाजपा के पंद्रह वर्षों के शासनकाल में आदिवासियों पर जितने अत्याचार हुए है वह किसी से छिपी नहीं है, आज भी बस्तर के आदिवासी भाजपा के पंद्रह सालों के अत्याचारों को भूले नहीं है।

भाजपा और रमन सिंह ने पंद्रह सालों में विकास के नाम पर केवल भ्रष्टाचार किया है। विक्रम शाह मंडावी ने आगे कहा कि भाजपा ने पंद्रह सालों में जो विकास नहीं किया वह कांग्रेस की सरकार ने महज़ तीन वर्षों में कर दिखाया है। विक्रम शाह मंडावी ने कहा कि प्रदेश प्रभारी पुरंदेश्वरी जब भी दोबारा बीजापुर आएँगी तो उन्हें हम स्वयं विकास दिखाएंगे ।

उन्होंने पत्रकार वार्ता में आगे कहा कि आज बीजापुर सहित प्रदेश की गौठानों की चर्चा देशभर में हो रही है यह रोज़गार का अच्छा माध्यम होता जा रहा है प्रदेश की गोधन न्याय योजना की प्रशंसा नीति आयोग ने की है जिसे पूरे देश में लागू करने की बात हो रही है। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलायें गौठानों के संचालन कर रहे है जो महिला सशक्तिकरण का पर्याय बनता जा रहा है, वहीं दूसरी ओर भाजपा और आरएसएस के लोग गौसेवक के नाम पर केवल राजनीति कर रहे है। गौसेवक के नाम पर आज तक भाजपा और उनके नेता भाषण देने के अलावा कुछ भी नहीं किए है। किसानों को 2100/- प्रति क्विंटल धान का समर्थन मूल्य और 300/- रुपए बोनस देने का वादा करने वाली भाजपा और रमन सिंह की सरकार ने किसानों को लगातार पंद्रह सालों तक ठगने का काम किया है। और तो और भाजपा की रमन सरकार ने अंत तक न तो किसानों को समर्थन मूल्य दिये और न ही बोनस दिया। लेकिन कांग्रेस पार्टी ने अपने वादे के मुताबिक़ सरकार बनते ही प्रदेश के सभी किसानों के क़र्ज़ माफ़किए है और 2500/- प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य पर धान ख़रीदी की जा रही है अब प्रदेश के किसान आर्थिक रूप से सम्पन्न हो रहे है। धान के अलावा 52 प्रकार के वनोपज भूपेश सरकार समर्थन मूल्य पर ख़रीदी कर रही है जो देश में पहली बार हो रहा है। पत्रकार वार्ता में विक्रम शाह मंडावी ने कहा कि भाजपा की प्रदेश प्रभारी डी? पुरंदेश्वरी भाजपा नेता और उसका पूरा कुनबा दिन में खुली आँखों से 2023 के चुनाव जीतने का सपना देखना बंद करे प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल के नेतृत्व में 2023 का चुनाव प्रदेश और बीजापुर में कांग्रेस पार्टी प्रचंड बहुमत से जीतेगी और सरकार बनाएगी। पत्रकार वार्ता के दौरान ज़िला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लालू राठौर, ज़िला पंचायत अध्यक्ष शंकर कड़ियम, छत्तीसगढ़ युवा आयोग के सदस्य अजय सिंह, ज़िला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश क़ारम, ज़िला पंचायत सदस्य एवं बस्तर विकास प्राधिकरण की सदस्य नीना रवतियाउद्दे, ज़िला पंचायत सदस्य सोमारु कश्यप, सरस्वती मंडल, समैया मिच्चा एवं मफ़्तलाल गुप्ता सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने बैडमिंटन कोर्ट का किया लोकार्पण, 97 लाख रुपये की लागत से बना है कोर्ट

परिसर में 60 लाख रुपये की लागत से बना है वर्टिकल गार्डन भी

59.16 लाख रुपये की लागत से उद्यान भी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज कुम्हारी नगर पालिका में बैडमिंटन कोर्ट भवन का लोकार्पण किया। यहां दो कोर्ट बनाए गए हैं। इसके साथ ही चेंजिंग रूम की फैसिलिटी भी यहां पर है। इसके साथ ही यहां पर लैंडस्कैपिंग भी की गई है।

बैडमिंटन कोर्ट की लागत 97 लाख रुपये है। परिसर में 60 लाख रुपये की लागत से वर्टिकल गार्डन भी बनाया गया है।

साथ ही 59 लाख रुपये की लागत से उद्यान भी बनवाया गया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि शहरों में नागरिक सुविधाओं के साथ ही खेल की अधोसंरचना विकसित करने के लिए भी सरकार प्रतिबद्ध है और इस दिशा में निरंतर प्रयास किया जा रहा है। राज्य में और जिले में लगातार बेहतर खेल अधोसंरचना तैयार की जा रही है। इससे छत्तीसगढ़ खेलों के क्षेत्र में काफी मजबूत होकर उभरेगा। इस मौके पर खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन, नगरपालिका अध्यक्ष राजेश्वर सोनकर एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

स्वास्थ्य संस्थाओं में मनाया जायेगा एनसीडी स्क्रिनिंग पखवाड़ा दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.एस.सिंह एवं डॉ. दीपक जायसवाल जिला नोडल अधिकारी एन.सी.डी. कार्यक्रम के मार्गदर्शन में एन.पी.सी.डी.सी.एस. कार्यक्रम अंतर्गत 17 से 31 मार्च तक एन.सी.डी. पखवाड़ा दिवस के रूप में जिले के समस्त स्वास्थ्य संस्था सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टरों में मनाया जा रहा है। इस पखवाड़े के अंतर्गत 30 वर्ष से अधिक उम्र के पुरूष एवं महिलाओं का गैर संचारी रोग जैसे बी.पी., शुगर की जांच तथा कैंसर स्क्रिनिंग किया जायेगा एवं दवाई भी नि:शुल्क वितरण की जायेगी। जिला नोडल अधिकारी ने बताया कि जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा जिला चिकित्सालय में गर्भाशय मुख के कैंसर के स्क्रिनिंग हेतु प्रशिक्षित डॉक्टर एवं स्टाफ नर्सों के द्वारा गर्भाशय मुख के कैंसर मरीजों का वीआईए टेस्ट भी नि:शुल्क प्रदाय की जायेगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने आम नागरीकों से अपील किया है, कि जिले के समस्त महिला एवं पुरूष जिनका उम्र 30 वर्ष से अधिक है वे अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर एन.सी.डी. स्क्रीनिंग पखवाड़ा का लाभ ले।

नदी तट वृक्षारोपण कार्यक्रमः वर्ष 2022-23 में 07 करोड़ रूपए की राशि का प्रावधान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नदी-तटों पर भू-क्षरण रोकने के उद्देश्य से अधिकारिक पौधरोपण के लिए "नदी-तट वृक्षारोपण कार्यक्रम" के तहत वर्ष 2022-23 के विभागीय बजट में 7 करोड़ 28 लाख रूपए का प्रावधान किया गया है। गौरतलब है कि इस योजना के अंतर्गत वर्ष 2021-22 में प्रदेश के 23 नदियों के तटों पर 10 लाख 74 हजार पौधों का रोपण किया गया है।

वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा प्रदेश में बारहमासी नदियों के तटों को भू-क्षरण से रोकने एवं नदियों के पानी के बहाव को सतत् बनाये रखने के उद्देश्य से ''नदी-तट वृक्षारोपण'' नामक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत वर्ष 2020-21 में 74 हेक्टेयर तैयारी, 457 हेक्टेयर रोपण तथा 01 हजार 507 हेक्टेयर पुराने रोपण क्षेत्र में रखरखाव का कार्य किया गया। इसी तरह वर्ष 2021-22 में माह दिसंबर तक 105 हेक्टेयर तैयारी, 497 हेक्टेयर रोपण तथा 01 हजार 205 हेक्टेयर क्षेत्र में रखरखाव का कार्य किया गया है।

नदी-तट वृक्षारोपण कार्यक्रम अंतर्गत वर्ष 2021-22 के दौरान शामिल नदियों में इन्द्रावती नदी, शबरी नदी, चक्का बुक्का नदी, महानदी, पैरी नदी, केलो नदी, ईब नदी, जोंक नदी, हसदेव नदी, तान्दुला नदी, नारंगी नदी, भंवरडीह नदी, अटेम नदी, रेड़ नदी, सेमरखाड़ नदी, भूपका नदी तथा महान नदी शामिल है। इसके अलावा सेन्दुर नदी, बरन नदी, मोरन नदी, सूर्या नदी, कन्हर नदी, भैसुन नदी, पथेल नदी, उभय नदी, बनास नदी, ओदारी नदी तथा दूध नदी के तट पर वृक्षारोपण का कार्य शामिल हैं।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री राकेश चतुर्वेदी ने बताया कि इनमें से इन्द्रावती नदी के तट पर 20 हेक्टेयर रकबा में 22 हजार पौधों, शबरी नदी तट के 5 हेक्टेयर रकबा में 5 हजार 500 पौधों, चक्का-बुक्का नदी तट के 5 हेक्टेयर रकबा में साढे पांच हजार पौधों तथा महानदी तट के 52 हेक्टेयर रकबा में 57 हजार 200 पौधों का रोपण हुआ है। इसी तरह पैरी नदी तट के 30 हेक्टेयर रकबा में 33 हजार पौधों, केलो नदी तट के 1.88 हेक्टेयर रकबा में 780 पौधों, ईब नदी तट के एक हेक्टेयर रकबा में 200 पौधों, जोंक नदी तट के 40 हेक्टेयर रकबा में 44 हजार पौधों तथा हसदेव नदी तट के 42 हेक्टेयर रकबा में 46 हजार 200 पौधों का रोपण किया गया है।

तान्दुला नदी तट के 30 हेक्टेयर रकबा में 33 हजार पौधों, नारंगी नदी तट के 44 हेक्टेयर रकबा में 48 हजार 671 पौधों, भंवरडीह नदी तट के 27 हेक्टेयर रकबा में 29 हजार पौधों, अटेम नदी तट के 20 हेक्टेयर रकबा में 22 हजार पौधों तथा रेड़ नदी तट के 150 हेक्टेयर रकबा में एक लाख 65 हजार पौधों का रोपण हुआ है। सेमरखाड़ नदी के 25 हेक्टेयर रकबा में 27 हजार 500 पौधों, भूपका नदी तट के 25 हेक्टेयर रकबा में 27 हजार 500 पौधों, महान नदी तट के 70 हेक्टेयर रकबा में 77 हजार पौधों तथा सेन्दुर नदी तट के 135 हेक्टेयर रकबा में एक लाख 49 हजार पौधों का रोपण किया गया है।

इसके अलावा बरन नदी तट के 35 हेक्टेयर रकबा में 38 हजार 500 पौधों, मोरन नदी तट के 25 हेक्टेयर रकबा में 27 हजार 500 पौधों तथा सूर्या नदी तट के 10 हेक्टेयर रकबा में 11 हजार पौधों का रोपण हुआ है। इसी तरह कन्हर नदी तट के 10 हेक्टेयर रकबा में 11 हजार पौधों, भैसुन नदी तट के 30 हेक्टेयर रकबा में 33 हजार पौधों, पथेल नदी तट के 10 हेक्टेयर रकबा में 11 हजार पौधों, उभय नदी तट के 10 हेक्टेयर में 11 हजार पौधों, बनास नदी तट के 70 हेक्टेयर रकबा में 77 हजार पौधों, ओदारी नदी तट के 25 हेक्टेयर रकबा में 27 हजार 500 पौधों तथा दूध नदी तट के एक हेक्टेयर रकबा में 830 पौधों का रोपण किया गया है।

आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के अवसर पर नेशनल वैक्सीनेशन डे

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। आजादी के 75 वे. अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में जिला अस्पताल गरियाबंद में नेशनल वैक्सीनेशन डे मनाया गया। जिसमें अधिक से अधिक हितग्राहियों को जागरूक कर टीकाकृत करने के लिये एएनएम -टीकेश्वरी अग्निवंशी एवं त्रिवेणी कुंजाम , मितानिन-रूखमणी पटेल एवं श्यामा बाई ध्रुवे को प्रशस्ति पत्र प्रदाय किया गया।

कलेक्टर नम्रता गांधी के निर्देशानुसार जिले में कोविड-19 टीकाकरण हेतु 12 से 14 वर्ष के हितग्राहियों को जिला अस्पताल गरियाबंद में 16 मार्च 2022 को 115 हितग्राहियों को कार्बवेक्स वैक्सिन से टीकाकृत कर शुभारंभ किया गया। चरणबद्ध टीकाकरण करते हुए प्रथम 05 चरणों में 18 वर्ष से अधिक के हितग्राहियों को प्रथम व द्वितीय व हेल्थ लाईन वर्कर एवं फ्रंट लाईन वर्कर तथा 60 वर्ष से अधिक हितग्राहियों को बूस्टर लगाया जा रहा है व 6 वें चरण में 12 से 14 वर्ष के हितग्राहियों का टीकाकरण प्रारंभ किया गया है। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार मेमन, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रोक्तिमा यादव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एन.आर. नवरत्न, सिविल सर्जन डॉ. जी.एल.टंडन, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. बी.बारा जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. रीना लक्ष्मी, बीटीओ., बीपीएम शिक्षा विभाग से श्याम चंद्राकर, एवं शिक्षकगण के उपस्थिति में टीकाकृत किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा अपील किया गया है कि कोविड 19 की वैक्सीन पूरी तरह से सुरक्षित है, कोविड 19 टीका लगाने के उपरांत भी कोविड प्रोटोकॉल (दो गज दूरी, हाथ साबुन से धोना) तथा मास्क पहनना) का पालन अवश्य करें।

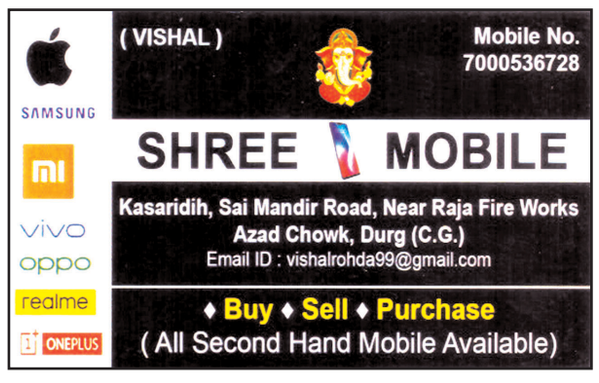

खास खबर

त्योहार की छुट्टी के बाद आज से फिर शुरू टीकाकारण

रायपुर (ए)। कोरोना से बचाव के लिए छत्तीसगढ़ में 12 से 14 वर्ष के बच्चों का टीकाकरण तीन दिन बंद होने के बाद आज रविवार से फिर शुरू हो गया है। छत्तीसगढ़ प्रदेश में अब तक 12 से 14 वर्ष के 8,000 से अधिक बच्चों को कोरोना टीका लगा है। बच्चों को हैदराबाद स्थित बायोलॉजिकल-ई द्वारा निर्मित कार्बेवैक्स टीका लगाया जा रहा है। वर्ष 2008, 2009 और 2010 में पैदा हुए बच्चे टीकाकरण के लिए पात्र हैं। 12 से 12 आयु वर्ग के बच्चों के टीकाकारण के लिए जिला अस्पताल पंडरी और मेडिकल कालेज में केंद्र बनाए गए हैं। जबकि 15 वर्ष के बाद के सभी लोगों का टीकाकारण प्रत्येक केंद्र में हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार 18 से अधिक आयु के 1 करोड़ 96 लाख से अधिक लोगों का टीकाकारण किए जाने का लक्ष्य है। इसमें 100 फीसद पहला टीकाकरण, 85 फीसद लोगों को दोनों टीके लगाए गए हैं। इसी तरह 15 से 18 आयु वर्ग के 16 लाख 39 हज़ार से अधिक का टीकाकारण किया जाना है। इसमें से 68 फीसद को पहला टीका और 46 फीसद को दोनों टीके लगे हैं। राज्य में अब तक 3 करोड़ 88 लाख से अधिक टीकाकारण किया गया है। देश में हर साल 16 मार्च राष्ट्रीय प्रतिरक्षा दिवस के रूप में भी जाना जाता है। भारत में राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस की शुरुआत साल 1995 से हुई।

रायपुर में प्रभु यीशु के पुनरुत्थान दिवस ईस्टर पर्व पर व्यापमं परीक्षा का विरोध

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मंडल ने पहले रामनवमी के दिन परीक्षा आयोजित करने की घोषणा की थी। इस दिन अवकाश होने से तारीख बदलकर 17 अप्रैल तय की। अब ईसाई समाज ने इसका विरोध किया है, क्योंकि उस दिन प्रभु यीशु का पुनरूत्थान दिवस यानी ईस्टर पर्व है। ईस्टर पर्व पर परीक्षा का विरोध करते हुए ईसाई समाज ने पत्र लिखकर परीक्षा तारीख बदलने की मांग की है। छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मंडल ने अपने विभागीय पत्र क्रमांक 372 रायपुर 9 मार्च 2022 को जानकारी दी कि राजस्व विभाग द्वारा पटवारी प्रशिक्षण चयन परीक्षा 2022 का आयोजन 10 अप्रैल 2022 को तय किया गया था। 10 अप्रैल 2022 को भगवान श्रीराम जन्मोत्सव रामनवमी पर्व होने के कारण उक्त निर्धारित परीक्षा रद कर 17 अप्रैल 2022 को तय की गई है। ईसाई समाज ने विरोध प्रकट करते हुए कहा है कि व्यापमं के अधिकारियों ने एक सोची समझी साजिश के तहत ईसाई समुदाय के प्रभु यीशु के पुन:रुत्थान के पवित्र ईस्टर पर्व के दिन 17 अप्रैल 2022 को पटवारी प्रशिक्षण चयन परीक्षा 2022 का आयोजन कर ईसाई समुदाय के परीक्षा देने वाले बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश व्यापन द्वारा की गई है।

कुम्हारी में 23 करोड़ की लागत से बनेगी सब्जी मंडीः मुख्यमंत्री बघेल

मछली पालन के लिए खदान का भी होगा जीर्णोद्धार

कुम्हारी नगर पालिका क्षेत्र के सभी स्कूलों का होगा जीर्णोद्धार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कुम्हारी में लगभग 5 करोड 72 लाख रुपये के विकास कार्यों के लोकार्पण और एक करोड़ 52 लाख के कार्य के भूमि पूजन के अवसर पर पहुंचे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने थोक सब्जी मंडी निर्माण की बड़ी घोषणा की। कुम्हारी में 23 करोड रुपए की लागत से यह सब्जी मंडी तैयार होगी। इसके साथ ही कुम्हारी नगर पालिका के सभी स्कूलों के जीर्णोद्धार की भी मुख्यमंत्री ने घोषणा की। उन्होंने महामाया उद्यान के बगल से लगे खदान के जीर्णोद्धार की भी घोषणा की। यहां पर उन्होंने मछली पालन जैसी गतिविधियां कराने के निर्देश दिए ताकि मत्स्य पालकों को भी रोजगार मिल सके।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि कुम्हारी का गौठान अच्छे तरीके से संचालित हो रहा है यहां पर स्व सहायता समूह की महिलाएं केले की खेती कर रही है और इसे बेच रही हैं। यहां गोबर का भी बड़े पैमाने पर उत्पादन हो रहा है उन्होंने कहा कि गोबर से बिजली बनाने की संभावनाओं पर भी विचार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि गोबर से बिजली बनाने पर सरकार काम कर रही है इससे दोहरा लाभ है वर्मी कंपोस्ट का उत्पादन तो कर ही सकते हैं साथ ही बिजली का लाभ भी प्राप्त करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी वर्गों के विकास के लिए सरकार ने योजनाएं बनाई हैं। किसानों के लिए राजीव गांधी न्याय योजना है, भूमिहीन मजदूरों के लिए योजनाएं हैं। शासकीय कर्मचारियों के लिए भी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है लगभग 3 लाख 80 हजार शासकीय कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना का लाभ उठा पाएंगे। इससे उनमें काफी खुशी व्याप्त है इससे पहले वे अपनी वृद्धावस्था को लेकर तनाव में रहते थे हमारी सरकार ने उनका यह तनाव दूर कर दिया है। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर महामाया उद्यान का निरीक्षण भी किया। उद्यान को एक करोड़ 27 लाख रुपए की लागत से तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री ने उद्यान की खूबसूरती की तारीफ तो की ही, साथ ही यहां लगाई गई महापुरुषों की प्रतिमाओं की पहल पर भी उन्होंने प्रशंसा व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे शहीद हमारी सबसे बड़ी धरोहर हैं। यहां गुंडाधुर, वीर नारायण सिंह और गेंदसिंह की प्रतिमाएं लगी है। यह सच्चे मायनों में उन्हें श्रद्धांजलि है।

इस मौके पर खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन ने भी कुम्हारी के नागरिकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 3 वर्षों में राज्य सरकार की योजनाओं से सभी वर्गों को लाभ हुआ है तथा प्रदेश में खुशहाली तेजी से बढ़ी है। अपने संबोधन में नगर पालिका अध्यक्ष राजेश्वर सोनकर ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में कुम्हारी में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं और जनता की विकास संबंधी आकांक्षाएं पूरी हो रही है और कुम्हारी तेजी से विकास के रास्ते पर बढ़ रहा है।

3 सालों में कुम्हारी की सूरत तेजी से बदली

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि कुम्हारी क्षेत्र में 94 करोड़ के विकास कार्य अभी चल रहे हैं तथा 100 करोड रुपए के विकास कार्य अभी शुरू होने हैं। उन्होंने कहा कि इन 3 सालों में कुम्हारी की सूरत तेजी से बदली है। कोई भी नागरिक जब 3 साल बाद कुम्हारी पहुंचे तो इस शहर में वो बड़े बदलाव महसूस करेगा। हमें बहुत खुशी है कि कुम्हारी में हर संभव सुविधाएं अब मौजूद है। पहले न यहां बेहतर स्वास्थ्य सुविधा थी न ही शिक्षा की अच्छी व्यवस्था थी। अब यहां पर अच्छा अस्पताल है दो स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल है जो जंजगीरी और कुम्हारी में चल रहे हैं। इसके साथ ही महाविद्यालय भी आरंभ किया गया है। रायपुर भिलाई को कुम्हारी कनेक्ट करता है लेकिन यहां की स्थिति बहुत खराब थी। हमने इसे बदलने का फैसला किया और आज विकास कार्यों के लोकार्पण के मौके पर महामाया उद्यान पहुंचकर में आप लोगों की खुशी को देख कर बहुत हर्षित हूं।

स्वच्छता का सीधा संबंध मानव स्वास्थ्य सेः भूपेश बघेल

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल नगर पालिका कुम्हारी के फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट के निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। इस प्लांट की क्षमता 6 केएलडी प्रतिदिन (6000 किलो लीटर प्रतिदिन) है, यानी दो ट्रक फीकल स्लज प्रतिदिन उपचार कर सकती है। इस अवसर पर संबंधित अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को प्लांट के मुख्य घटक एवं कार्य प्रणाली से अवगत कराया गया। मुख्यमंत्री ने स्क्रीन चेंबर से लेकर पॉलिशिंग पॉन्ड की पूरी प्रक्रिया को बारीकी से समझा। मुख्यमंत्री को बताया गया कि यह प्रकृति आधारित समाधान है, ऐसे उपचारित जल का उपयोग बाग बगीचों व कृषि कार्य में किया जा सकता है व सूखे स्लज का उपयोग खाद के रूप में भी किया जा सकता है। कलेक्टर सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने मुख्यमंत्री को बताया कि प्लांट ग्रेविटी आधारित प्लांट है और बिना इलेक्ट्रिसिटी के प्लांट संचालित होता है तो यह बात सुनकर मुख्यमंत्री ने खुशी जाहिर की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि स्वच्छता का सीधा संबंध मानव स्वास्थ्य से है।स्वस्थ मानव-जीवन के लिये स्वच्छता एक अपरिहार्य आवश्यकता है। किसी भी परिस्थिति में इसकी उपेक्षा संभव नहीं है। कुम्हारी के क्षेत्र वासियों के लिए यह प्रदेश का सबसे बड़ा फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया गया है जिससे निसंदेह अपशिष्ट पदार्थ के प्रबंधन में सहायता मिलेगी। इसे आसपास के किसानों को रसायन रहित खाद भी प्राप्त होगा जिससे कृषक उच्च श्रेणी के खाद्यान्न और सब्जियों का उत्पादन कर सकेंगे। निकट क्षेत्र के लोग अपने घर के पौधों के लिए भी यहां से खाद ले सकते हैं और उद्यानों में भी इस खाद का उपयोग किया जा सकता है। मानव अपशिष्ट के उचित निपटान और कारगर व्यवस्था के लिए फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट निश्चित ही एक बेहतर विकल्प है।

मंत्री डहरिया ने किया वैवाहिक पत्रिका 'बंधन' का विमोचन

सतनामी प्रतिभागियों के लिये पत्रिका का निःशुल्क वितरण शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी द्वारा प्रकाशित सतनामी वैवाहिक परिचय पत्रिका बंधन के छठवें अंक का विमोचन गुरुवार को प्रदेश के नगरीय प्रशासन एवं श्रम मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया ने अपने निवास कार्यालय में किया। इस अवसर पर उन्होंने आयोजक मंडल को बधाई देते हुए कहा कि सतनामी समाज के लोग छ.ग. सहित देश के कई राज्यों में निवासरत हैं जो अपने पुत्र-पुत्रियों के विवाह के लिए रिश्ता ढूंढ रहे हैं उनके लिए यह पत्रिका कारगार साबित होगा, वही अनावश्यक खर्च व समय की बर्बादी से भी बचा जा सकेगा।

अकादमी के अध्यक्ष के.पी खण्डे एवं प्रवक्ता चेतन चंदेल ने बताया कि विगत दिनों राजधानी में सतनामी समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों का शहीद स्मारक भवन में परिचय सम्मेलन आयोजित किया गया था जिसमें भाग लिए सैकड़ों नवयुगल प्रतिभागियों की रंगीन फोटोयुक्त बायोडाटा पत्रिका में प्रकाशित की गई है वहीं पुनर्विवाह के लिए समाज की विधवा, विधुर व तलाकशुदा महिला-पुरुषों को भी इसमें स्थान दिया गया है। प्रतिभागियों के लिए पत्रिका का नि:शुल्क वितरण आज से शुरू कर दिया गया है। जिसे गुरु घासीदास अकादमी कार्यालय, न्यू राजेंद्र नगर रायपुर से प्रतिदिन 11 से 05 बजे के बीच प्राप्त किया जा सकता है।

इस अवसर पर संरक्षक शकुन डहरिया, डॉ.जेआर सोनी, डीएस पात्रे, एमडी माहिलकर, एएल जोशी, सुंदरलाल जोगी, चेतन चंदेल, आरके पाटले, प्रकाश बांधे, सुखनंदन बंजारे, टिकेंद्र बघेल, पं. अंजोर दास बंजारे, कृपाराम चतुर्वेदी, लाला पुरेना, अरुण मंडल, सनत डहरिया, मनीष कोसरिया, घासीदास कोसले, डा. रामगोपाल घृतलहरे, बाबा डहरिया, प्रेम बघेल, मानसिंह गिलहरे, नंदू मारकंडे, मनमोहन कुर्रे, आसाराम लहरें, हीरा सायसेरा, गिरिजा पाटले, प्रो. कल्याण रवि, पुष्पा पाटले, अनीता भतपहरी, याचना भतपहरी, शशिबाला सोनकेंवरे, अमरौतिन भतपहरी सहित बड़ी संख्या में सतनामी समाज के लोग उपस्थित थे।

स्वस्थ बालक-बालिका स्पर्धा 21 से 27 मार्च तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंड़िया ने जनप्रतिनिधियों ने पत्र लिखकर 21 से 27 मार्च तक पूरे देश के साथ प्रदेश में आयोजित होने वाले स्वस्थ बालक-बालिका स्पर्धा में उनके सक्रिय सहभागिता के लिए अनुरोध किया है। उन्होंने विश्वास जताया है कि कुपोषण के प्रति समुदाय में जनजागरूकता बढ़ाये जाने और प्रदेश को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए ''स्वस्थ बालक बालिका स्पर्धा'' का सभी पंचायत क्षेत्र में व्यापक प्रचार-प्रसार एवं समुदाय की सक्रिय भागीदारी जनप्रतिनिधियों के सशक्त नेतृत्व और मार्गदर्शन से सफल हो सकेगी। उन्होंने प्रदेश के सभी सांसदो, विधायकों और नगरीय तथा पंचायत निकाय के जनप्रतिनिधियों को अवगत कराते हुए लिखा है कि स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी मुद्दों पर सकारात्मक सामुदायिक सहभागिता बढ़ाये जाने हेतु ''स्वस्थ बालक बालिका स्पर्धा'' का आयोजन पूरे प्रदेश में किया जा रहा है।

श्रीमती भेंड़िया ने बताया कि कुपोषण एक गंभीर समस्या के रूप में विद्यमान है। कुपोषण के कारण बच्चों का उचित शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास नहीं हो पाता है जिससे पूरा मानव संसाधन विकास बाधित होता। देखभाल एवं उचित खानपान के अभाव में कुपोषित बच्चे कुपोषण के कुचक में फंस जाते हैं। प्रदेश में बच्चों में व्याप्त कुपोषण को समाप्त करने हेतु एकीकृत बाल विकास संवाए, पूरक पोषण आहार कार्यक्रम, मुख्यमंत्री सुपोषण योजना, पोषण अभियान, मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना आदि कुपोषण मुक्ति से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।

मनरेगा में लेबर बजट बढ़ाने छत्तीसगढ़ के प्रस्ताव को केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की मंजूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ में मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) के लेबर बजट में दो करोड़ 22 लाख मानव दिवस की बढ़ोतरी की मंजूरी दे दी है। अब प्रदेश में चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए मनरेगा के तहत रोजगार सृजन का लक्ष्य साढ़े 13 करोड़ मानव दिवस से बढ़कर 15 करोड़ 72 लाख मानव दिवस हो जाएगा। राज्य शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों तथा भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव एवं अन्य अधिकारियों के बीच हाल ही में हुई बैठक में छत्तीसगढ़ में लेबर बजट बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

छत्तीसगढ़ ने चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 में मनरेगा के तहत निर्धारित साढ़े 13 करोड़ मानव दिवस रोजगार सृजन का लक्ष्य विगत फरवरी माह में ही हासिल कर लिया था। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री टीएस सिंहदेव ने मनरेगा के अंतर्गत हो रहे व्यापक कार्यों और लक्ष्य की पूर्णता को देखते हुए लेबर बजट बढ़ाने का प्रस्ताव भारत सरकार को भेजने के निर्देश वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों को दिए थे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव रेणु जी. पिल्ले और मनरेगा आयुक्त मोहम्मद कैसर अब्दुलहक की केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधिकारियों के साथ सशक्त समिति की हाल ही में हुई बैठक में लेबर बजट बढ़ाने के राज्य शासन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में इस वर्ष अब तक मनरेगा के अंतर्गत 28 लाख से अधिक परिवारों के करीब 54 लाख पांच हजार श्रमिकों को काम दिया गया है। इस दौरान चार लाख 75 हजार 374 परिवारों को 100 दिनों से अधिक का रोजगार भी मुहैया कराया गया है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

श्रीराम कलेक्शन
बच्चों के आकर्षक रेडिमेड वस्त्रों के विक्रेता
जवाहर मार्केट केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
789805563, 9827178585

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

श्री सांई जींस कॉर्नर
ओम सांई कलेक्शन
■ मेन्स वेयर ■ किड्स वेयर
■ लेडिस वेयर ■ वेडिंग कलेक्शन
9827115003, 9806303000
जवाहर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

मोमोस नास्ता सेंटर...
थापा शुद्ध मोमोस सेंटर
वेज मोमोस 40/- 20/-
मनचुरियन मोमोस 50/- 30/-
पनीर मोमोस 60/- 30/-
मोमोस-10, 20 और 30 रू. का भी मिलता है। शुद्ध बिना ऑयल का बना
मो.-9977690915, 7898349602
सर्कुलर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

नाकोड़ा साड़ी सेंटर
एक्सक्लूसिव साड़ी शोरुम
फैंसी साड़ी, वैवाहिक साड़ियां डिजाईनर साड़ियां एवं सलवार सूट, लांचा
जवाहर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

खास खबर

फिल्म के खराब प्रदर्शन पर पूजा हेगड़े ने दी प्रतिक्रिया, कहा- हर फिल्म की अपनी किस्मत होती है

बीते हफ्ते रिलीज हुई फिल्म राधेश्याम बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। साउथ सुपरस्टार प्रभास और बॉलीवुड अभिनेत्री पूजा हेगड़े स्टारर इस फिल्म को देश भर में 5 भाषाओं में रिलीज किया गया था। 3700 से ज्यादा स्क्रीन पर रिलीज की गई यह फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। ऐसे में हाल ही में इस फिल्म में बतौर मुख्य अभिनेत्री नजर आईं पूजा हेगड़े ने फिल्म के प्रदर्शन को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

हाल ही में पूजा हेगड़े ने फिल्म की नाकामयाबी को लेकर बात की। इस दौरान अभिनेत्री ने कहा कि हर फिल्म की अपनी किस्मत होती है, लेकिन मेरा विश्वास है कि कभी-कभी आप फिल्म देखते हैं और आपके मन में आता है कि यह फिल्म ठीक-ठाक है। लेकिन बाद में उसी फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिल जाती है।

अभिनेत्री ने आगे कहा कि कभी-कभी कुछ ऐसी फिल्में भी होती है, जो बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं करती लेकिन जब आप उन फिल्मों को कभी देखते हैं तो आप कहते हैं कि पता नहीं यह फिल्म क्यों नहीं चली, जबकि यह तो अच्छी नहीं थी। इसीलिए मुझे ऐसा लगता है कि बॉक्स ऑफिस पर हर फिल्म की अपनी किस्मत होती है।

350 करोड़ के बजट से यह फिल्म विवेक अग्निहोत्री की ब्लॉकबस्टर द कश्मीर फाइल्स के साथ रिलीज की गई थी। हालांकि, फिल्म को द कश्मीर फाइल्स से काफी पीछे रह गई। दरअसल शुरुआत में बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने काफी धीमी रफ्तार से कमाई शुरू की। फिल्म ने 6 दिनों में दुनिया भर में सिर्फ 184 करोड़ रुपये का ही कलेक्शन कर पाई है। साथ ही फिल्म हिंदी पट्टी के दर्शकों को भी सिनेमाघरों में लाने में नाकाम रही।

फिल्म की कहानी की बात करें तो यह एक साइंस फिक्शन ड्रामा फिल्म है, जो 1970 के दशक के यूरोप की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में पूजा हेगड़े और प्रभास के अलावा भाग्यश्री, कृष्णम राजू, सचिन खेडेकर और प्रियदर्शी भी नजर आए हैं। यह फिल्म तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम भाषा में भी रिलीज की गई है। लेकिन इस फिल्म का बुखार साउथ के लोगों के दिलों से भी उतरता नजर आ रहा है।

करोड़ों की संपत्ति की मालकिन हैं अलका याग्निक, महज 6 साल की उम्र से गा रही हैं गाने

90 के दशक की मशहूर सिंगर अलका याग्निक किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। अलका ने कई हिट गाने गाए हैं और आज भी वह अपनी आवाज के दम पर लोगों के दिलों में राज करती हैं। आज यानी 20 मार्च को अलका याग्निक अपना 56वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर हर कोई उन्हें जन्मदिन की बधाई देते हुए नजर आ है। अलका का जन्म 20 मार्च 1966 को कोलकाता में हुआ था। उन्होंने छोटी उम्र में ही सिंगिंग की दुनिया में कदम रख दिया था, जिस वजह से ही वह करोड़ों की संपत्ति की मालकिन हैं। तो आइए आज इस खास मौके पर हम आपको अलका याग्निक की कुल संपत्ति के बारे में बताते हैं।

अलका याग्निक की संपत्ति

अलका याग्निक बॉलीवुड की सबसे ज्यादा फीस चार्ज करने वाली सिंगर्स की लिस्ट में शामिल हैं, जिस वजह से वह करोड़ों की संपत्ति की मालकिन हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनकी कुल संपत्ति 9 मिलियन डॉलर की है। इसे भारतीय करेंसी में देखा जाए तो ये 68 करोड़ के आसपास होती है। उन्होंने ये सब अपनी कड़ी मेहनत और लगन से कमाया है।

हर महीने कितना कमाती हैं अलका याग्निक

रिपोर्ट्स की मानें तो अलका याग्निक हर महीने लगभग 21 लाख रुपये कमाती हैं और सालभर की उनकी आय 2 करोड़ रुपये के आस-पास है। वह एंडोर्समेंट के लिए ब्रैंड्स से 16 लाख रुपये चार्ज भी करती हैं। इसके अलावा, वह रियल स्टेट और स्टॉक्स में निवेश करने में विश्वास रखती हैं।

6 साल की उम्र में गाया पहला गाना

अलका याग्निक ने छोटी उम्र में ही सिंगिंग की दुनिया में कदम रख दिया था। बेहद कम लोग ये बात जानते होंगे, जब अलका ने अपना पहला गाना गाया था तब वह महज छह साल की थीं। उन्होंने अपना पहला गाना आकाशवाणी के लिए गाया था। जब अलका याग्निक 10 साल की थीं तब उनकी मां उन्हें लेकर मुंबई आ गईं। यहां पर अलका याग्निक की मुलाकात राजकपूर से हुई और अभिनेता को अलका की आवाज काफी पसंद आई। इसके बाद उन्होंने ही अलका की मुलाकात लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल से करवाई। इसके बाद 14 साल की उम्र में अलका ने फिल्म 'पायल की झंकार' का 'थिरकत अंग लचक झुकी' गाना गाया।

याग्निक के हिट सॉन्ग

अलका याग्निक ने अपने करियर में अब तक कई हिट गाने गाए हैं। रिपोर्ट में कहा जाता है कि अलका ने अपने करियर में अब तक 1114 फिल्मों में 2486 हिंदी गाने गाए हैं। उनके हिट गानों की लिस्ट काफी लंबी है, जिसमें 'टिप टिप बरसा पानी', 'ऐ मेरे हमसफर', 'चुरा के दिल मेरा', 'अगर तुम साथ हो', 'दिलबर दिलबर' जैसे गाने शामिल हैं।

आज टीवी पर होगा 'पुष्पा- द राइज' और '83' का प्रीमियर

साल 2021 में सिनेमाघरों में धमाल मचाने वाली दो हिट फिल्में – 'पुष्पा: द राइज़' और '83' छोटे पर्दे पर भिड़ने के लिए तैयार हैं! निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर इस बात की जानकारी दी है कि 'पुष्पा: द राइज' का हिंदी वर्जन दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए रविवार को छोटे पर्दे पर आने वाला है। दिलचस्प बात यह है कि रणवीर सिंह अभिनीत 83 का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर भी आज ही होने जा रहा है।

बड़े पर्दे पर हो चुका है मुकाबला

बता दें कि 17 दिसंबर को रिलीज हुई पुष्पा: द राइज – पार्ट 01 के एक हफ्ते बाद आई रणवीर सिंह की '83' ने सिनेमाघरों में एक दूसरे को कड़ी टक्कर दी थी। संयोग से, दोनों फिल्मों का संग्रह लगभग 108 करोड़ रुपये रहा। फिर भी, '83 को इसकी अत्यधिक लागतों के कारण फ्लॉप और अल्लू अर्जुन की फिल्म को ब्लॉकबस्टर घोषित कर दिया गया।

पुष्पा: द राइज – पार्ट 01 का बहुप्रतीक्षित सैटेलाइट प्रीमियर रविवार, 20 मार्च को होगा। एक्शन एंटरटेनर का प्रसारण मनीष शाह के चैनल ढिंचैक टीवी पर रात 8:00 बजे किया जाएगा। कबीर खान द्वारा निर्देशित स्पोर्ट्स पीरियड फ्लिक, स्टार गोल्ड पर उपलब्ध होगी और पुष्पा: द राइज – पार्ट 01 की तरह ही इसे भी रात 8:00 बजे प्रसारित किया जाएगा।

ओटीटी पर कब और कहां देख सकते हैं दोनों फिल्म?

बता दें कि पुष्पा: द राइज़ अब अमेज़न प्राइम वीडियो पर चार भाषाओं- तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ में उपलब्ध है। पुष्पा का हिंदी संस्करण 14 जनवरी से ओटीटी पर मौजूद है। वहीं रणवीर सिंह की 83 जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 16 मार्च को स्टार इंडिया (ओटीटी प्लेटफॉर्म हॉटस्टार के मालिक) और नेटफ्लिक्स पर फिल्म '83' के रिलीज को रोकने का आग्रह करने वाली याचिका को खारिज कर दिया है।

पुनीत राजकुमार की आखिरी फिल्म 'जेम्स' ने मचाया धमाल, दूसरे दिन कमाए 10 करोड़

पुनीत राजकुमार की फिल्म 'जेम्स' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। 17 मार्च को रिलीज हुई फिल्म ने दूसरे दिन कर्नाटक बॉक्स ऑफिस पर 10 करोड़ का बिजनेस किया। पहले दिन फिल्म ने 27.5 करोड़ की कमाई की थी। दो दिन में फिल्म ने 37 करोड़ का कारोबार कर लिया है। फिल्म जेम्स जिस तरह से कमाई कर रही है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि यह मूवी पहले वीकेंड खत्म होते-होते 50 करोड़ का आंकड़ा पार लेगी।

पुनीत राजकुमार के फैंस में उत्साह

पुनीत राजकुमार के फैंस इस फिल्म को देखने के लिए बेसब्र हो रहे थे। जिसके चलते 'जेम्स' के रिलीज होते ही थिएटर के बाहर लाइनें लग गईं। और लगातार दो दिनों तक कई शो हिट रहे। फैंस उनकी फिल्म को हिट बनाकर उन्हें आखिरी सलाम कर रहे हैं। अकेले बेंगलुरु में इसके लगभग 920 शो थे। जो एक कन्नड़ फिल्म का रिकॉर्ड है। इसे 'जेन वाई' दर्शकों का मजबूत समर्थन मिला। क्योंकि लोकप्रिय स्टार को कन्नड़ सिनेमा का 'युवरत्ना' माना जाता था। पुनीत राजकुमार का 46 साल की उम्र में निधन हो गया था। उनके निधन के महीनों बाद भी यह फिल्म हिट हुई।

'पैन इंडिया' शब्द परेशान करता है: दुलकर सलमान

एक्टर दुलकर सलमान का कहना है कि वह फिल्मों के लिए बड़े पैमाने पर 'पैन इंडिया' शब्द के इस्तेमाल से हैरान हैं क्योंकि कोई ऐसी फिल्म नहीं बना सकता जो नेशनल लेवल पर काम करे। फिल्म निर्माता एसएस राजामौली की दो-पार्ट वाली एक्शन फिल्म 'बाहुबली', 2015 और 2017 के बीच रिलीज़ हुई, जिसने अक्सर नार्थ और साउथ फिल्म इंडस्ट्री के बीच की खाई को पाटने का काम किया है। इसी के बाद से ही विजय की 'मास्टर' और अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा' जैसे साउथ स्टार की फिल्मों ने हिंदी क्षेत्रों में बॉक्स ऑफिस पर नए रिकॉर्ड स्थापित करने के मौका मिला।

35 वर्षीय एक्टर ने बताया कि पैन इंडिया शब्द वास्तव में मुझे

परेशान करता है। मुझे यह सुनना पसंद नहीं है। मुझे अच्छा लगता है कि सिनेमा में प्रतिभा का इतना आदान-प्रदान हो रहा है, यह बहुत अच्छा है, लेकिन हम एक ही देश के हैं। मुझे नहीं लगता कि कोई पैन अमेरिका कहता है। मुझे समझ में नहीं आता, भले ही वे इसे प्यार से कहते हैं।

सलमान ने कहा आप एक पैन इंडिया फिल्म नहीं बना सकते। वे फिल्में जो वास्तव में पूरे भारत में देखी जाती हैं, वे एक ही जगह के लिए नहीं बनाई जाती। यदि आप एक 'पैन-इंडिया' फिल्म बनाने की कोशिश करते हैं, तो सभी से अपील है की दोनों जगह के लोगों के लिए बनाये।

साथ ही उन्होनें यह भी कहा कि आप अपनी फिल्म को जितना हो सके जड़ दें, उस जमीन की कहानी बताएं और इसे बड़ा करें, इसे अलग तरह से कास्ट करें और शायद अलग-अलग जगहों से कुछ फेमस चेहरों को कास्ट करें। लेकिन मुझे नहीं लगता है कि आपको उस विशेष कहानी की संवेदनशीलता या संस्कृति को खो देना चाहिए।

वर्तमान में सलमान की 'सैल्यूट' ओटीटी पर स्ट्रीमिंग कर रही हैं। फिल्म का निर्देशन रोशन एंड्रयूज ने किया है और जोड़ी बॉबी और संजय ने इसे लिखा है। फिल्म पास्ट और प्रेजेंट के सिनेरियो के बीच में कटौती करती है, जहां एक बार सब-इंस्पेक्टर गिरावट के बाद मोचन पर एक शॉट की तलाश में है। सब-इंस्पेक्टर की भूमिका में दालुकर सलमान दिखाइ दिए है। 'सैल्यूट' डायना पेंटी की मलयालम शुरुआत भी है। सलमान 'ओ कधल कनमनी', 'बैंगलोर डेज़', 'हे सिनामिका' और 'कुरुप' जैसी फिल्मों में बतौर एक्टर काम कर चुके है।

राम चरण की हिंदी डब फिल्मों ने यूट्यूब पर बनाया रिकॉर्ड, 'जंजीर' की रीमेक में रहे फ्लॉप

इस समय बॉक्स ऑफिस पर साउथ की फिल्मों का डंका बज रहा है। लोगों को दक्षिण भारतीय फिल्मों की कहानी और दमदार एक्शन काफी पसंद आता है। हाल ही में रिलीज हुई साउथ फिल्म पुष्पा ने सारे बॉक्स ऑफिस पर सफलता का झंडा गाढ़ दिया था। अब जल्दी ही पर्दे पर एक्टर जूनियर एनटीआर और सुपरस्टार रामचरण की एक और धमाकेदार फिल्म आरआरआर भी रिलीज होने जा रही है। अगर आपको भी साउथ फिल्में पसंद हैं या आप सुपरस्टार रामचरण के फैन हैं तो हम आपको बताने जा रहे हैं उनकी ऐसी धमाकेदार फिल्में जिन्हें आप हिंदी में यूट्यूब पर देख सकते हैं।

चिरुथा

चिरुथा 2007 की तेलुगु एक्शन फिल्म है, जिसमें राम चरण, नेहा शर्मा, आशीष विद्यार्थी और प्रकाश राज ने अभिनय किया है। ये फिल्म एक एक्शन क्राइम ड्रामा है। फिल्म में एक्शन के साथ कहानी भी जबरदस्त है।

मगधीरा

साल 2009 में आई फिल्म मगधीरा में एक्टर रामचरण के अपोजिट काजल अग्रवाल हैं। इस फिल्म की कहानी पुनर्जन्म पर आधारित है। ये एक फैंटसी एक्शन थ्रिलर है। फिल्म में देव गिल, सुनील वर्मा और ब्रह्मानंदम, राव रमेश, शरत बाबू और रघुमुद्री श्रीहारी जैसे दमदार कलाकार भी हैं। इस फिल्म में आपको प्यार और एक्शन दोनों का जबरदस्त तड़का देखने को मिलेगा।

ऑरेंज

साल 2010 में आई फिल्म ऑरेंज में एक्टर रामचरण के साथ बॉलीवुड एक्ट्रेस जेनेलिया डिसूजा हैं। यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा है। फिल्म की कहानी एक ऐसे लड़के की है जो यह नहीं मानता है कि प्यार जिंदगी भर रह सकता है, लेकिन इसके बाद फिल्म में लव एंगल है, जिससे कहानी मनोरंजक बनती है।

ध्रुवा

एक्टर रामचरण की फिल्म ध्रुवा एक क्राइम और एक्शन थ्रिलर है। इस फिल्म की कहानी एक आईपीएस ऑफिसर ध्रुव की है जो मेडिकल के एक बड़े क्रिमिनल नेटवर्क को खत्म करने की मुहिम शुरु करता है। फिल्म में राम चरण के अलावा रकुल प्रीत और अरविंद स्वामी भी हैं। इस फिल्म को आप हिंदी में यूट्यूब पर भी देख सकते हैं।

येवाडु

एक्टर रामचरण की फिल्म येवाडु एक जबरदस्त एक्शन थ्रिलर है। इस फिल्म को वामसी पेडिपल्ली ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म में रामचरण के अपोजिट श्रुति हसन और एमी जैक्सन मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म में सुपरस्टार अल्लू अर्जुन और एक्ट्रेस काजल अग्रवाल भी कैमियो भूमिकाओं में हैं।

खास खबर

असंगठित कर्मकार कल्याण मण्डल अन्तर्गत जिले में 36 हजार 696 श्रमिकों का पंजीयन

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार कल्याण मण्डल अन्तर्गत गरियाबंद जिले में विभिन्न प्रवर्गों में कुल 36 हजार 696 हितग्राहियों का पंजीयन किया गया है। श्रम पदाधिकारी देवेन्द्र नाथ पात्र ने बताया कि वर्ष 2021-22 में इस असंगठित श्रमिकों को विभिन्न योजनान्तर्गत डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खाता में राशि का अंतरण किया गया है। कलेक्टर नम्रता गांधी के मार्गदर्शन में इस वित्तीय वर्ष में भगिनी प्रसूति योजनान्तर्गत कुल 66 महिला श्रमिकों को लाभान्वित करते हुये 6 लाख 25 हजार रूपये का अंतरण तथा इसी प्रकार असंगठित कर्मकार मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजनान्तर्गत कुल 67 श्रमिकों को लाभान्वित करते हुये 67 लाख रूपये एवं असंगठित छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत कुल 44 श्रमिकों के बच्चों को लाभान्वित करते हुये 43 हजार 750 रूपये का भुगतान उनके बैंक खाता में आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से हस्तांतरित किया गया है। इस वित्तीय वर्ष में कुल 177 असंगठित श्रमिकों को कुल 73 लाख 68 हजार 750 रूपये का भुगतान कर आर्थिक सहायता प्रदान किया गया है।

महापौर आयुक्त व सभापति ने किया मुड़ापार, टीपी नगर, ढोढ़ीपारा स्थित नालों का निरीक्षण

कोरबा। महापौर राजकिशोर प्रसाद, आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय एवं सभापति श्यामसुंदर सोनी ने आज मुड़ापार, ढोढ़ीपारा व टी.पी.नगर क्षेत्र स्थित नालों का निरीक्षण किया। उन्होने नालों के निर्माण एवं मरम्मत सुधार कार्य सहित अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए। महापौर, आयुक्त एवं सभापति भ्रमण के दौरान मुड़ापार तालाब पहुंचे, मुड़ापार तालाब के सौदर्यीकरण कार्य निगम द्वारा कराया जा रहा है, जो अपने अंतिम चरण में है। उन्होने उक्त कार्यो का निरीक्षण किया, कार्यो की बेहतरी के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश देने के साथ ही कार्य में शीघ्रता लाकर कार्य को पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। तालाब के समीप स्थित नाले का मरम्मत एवं सुधार कार्य सहित नाले में आवश्यक निर्माण कार्य एवं बस्ती के अंदर के हिस्से में नाले को कवर करने आदि कार्य का प्राक्कलन तैयार करने के निर्देश भी संबंधित जोन अभियंता को दिए ताकि मुड़ापार तालाब के ओव्हर फ्लो का पानी एवं बस्ती की पानी के निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। महापौर, आयुक्त एवं सभापति ने टी.पी.नगर स्थित हीरो होण्डा एजेंसी के समीप बहने वाले नाले का भी निरीक्षण किया तथा नाले की साफ-सफाई आदि के संबंध में अधिकारियों का मार्गदर्शन किया।

पीएम ने एलबीएसएनएए में 96वें सामान्य बुनियादी पाठ्यक्रम के समापन समारोह को किया संबोधित, कहा-

आपका बैच अगले 25 वर्ष के अमृतकाल में देश के विकास में अहम भूमिका निभाएगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली(पीआईबी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) में 96वें सामान्य बुनियादी पाठ्यक्रम के समापन समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने नए खेल परिसर का भी उद्घाटन किया और हैप्पी वैली परिसर राष्ट्र को समर्पित समर्पित किया। अपने संबोधन की शुरुआत में, प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को पाठ्यक्रम पूरा करने पर बधाई दी और होली के पावन अवसर पर अपनी शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने निवर्तमान बैच की विशिष्टता का भी उल्लेख किया, क्योंकि यह बैच आज़ादी के अमृत महोत्सव वर्ष में सक्रिय सेवा के रूप में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि आपका बैच अगले 25 वर्ष के अमृतकाल में देश के विकास में अहम भूमिका निभाएगा।

प्रधानमंत्री ने महामारी के बाद की दुनिया में उभरती नई विश्व व्यवस्था को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी के इस मोड़ पर दुनिया भारत की ओर देख रही है। उन्होंने कहा कि इस नई विश्व व्यवस्था में भारत को अपनी भूमिका बढ़ानी होगी और स्वयं को तेज गति से विकसित करना होगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि 21वीं सदी के सबसे बड़े लक्ष्य यानी आत्मनिर्भर भारत और आधुनिक भारत के लक्ष्य पर विशेष ध्यान देते हुए इस अवधि के महत्व को ध्यान में रखें। उन्होंने कहा कि हम इस अवसर को खोने का जोखिम नहीं उठा सकते ।

सिविल सेवाओं पर सरदार पटेल के विचारों का उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि सेवा और कर्तव्य की भावना प्रशिक्षण का अभिन्न अंग रही है। उन्होंने कहा कि आपके संपूर्ण सेवा वर्षों में सेवा और कर्तव्य के ये कारक आपकी व्यक्तिगत और व्यावसायिक सफलता का पैमाना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कर्तव्य और उद्देश्य की भावना से किया जाने वाला काम कभी बोझ नहीं होता। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे एक सकारात्मक उद्देश्य की भावना के साथ और समाज एवं देश के संदर्भ में सकारात्मक बदलाव का हिस्सा बनने के लिए सेवा में आए हैं।

प्रधानमंत्री ने इस क्षेत्र से मिलने वाले अनुभव को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया क्योंकि फाइल के मुद्दों का वास्तविक अनुभव कार्यक्षेत्र से आता है। उन्होंने कहा कि फाइलों में सिर्फ आंकड़े ही नहीं होते, बल्कि उनमें लोगों का जीवन और उनकी आकांक्षाएं भी होती हैं। उन्होंने कहा कि आपको नंबर के लिए नहीं बल्कि लोगों की जिंदगी के लिए काम करना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अधिकारियों को हमेशा समस्याओं के मूल कारण और नियमों के अनुसार स्थायी समाधान देना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृतकाल के इस दौर में हमें रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म को अगले स्तर पर ले जाना है, इसलिए आज का भारत सबका प्रयास की भावना से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने महात्मा गांधी के इस मंत्र को भी याद किया कि प्रत्येक निर्णय का मूल्यांकन अंतिम पंक्ति में अंतिम व्यक्ति के कल्याण की कसौटी पर किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत एमएमयू के जरिये पहुंचेगी स्वास्थ्य सुविधा

चिरमिरी में पूर्व से संचालित एमएमयू, मनेन्द्रगढ़ में भी हुई शुरुआत

कलेक्टर ने शासन की फ्लैगशिप योजनाओ के संचालन, स्वच्छता सर्वेक्षण पर सभी नगरीय अधिकारियों को दिए ज़रूरी दिशा-निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने गुरुवार को मंथन सभाकक्ष में नगरीय निकाय के अधिकारियों के साथ बैठक कर छत्तीसगढ़ शासन की फ्लैगशिप योजनाओ के संचालन पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत मोबाइल मेडिकल यूनिट के संचालन की जानकारी ली। जिले में वर्तमान में नगरनिगम चिरमिरी में मोबाइल मेडिकल यूनिट का नियमित संचालन किया जा रहा है।

अब समस्त नगरीय निकायों में भी एमएमयू के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधाएं लोगों के द्वार तक पहुंचेंगी। मनेन्द्रगढ़ में एमएमयू के माध्यम से इलाज और टेस्टिंग की शुरुआत हो चुकी है, जिसमें मनेन्द्रगढ़ नगरीय निकाय के साथ ही नई लेदरी, झगराखाण्ड और खोंगापानी को कवर किया जायेगा। इसी तरह जल्द ही बैकुंठपुर में भी योजना की शुरूआत की जाएगी जिसमें बैकुंठपुर और शिवपुर-चरचा को कवर लिया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि ऐसे लोग, जिन्हें स्वास्थ्य केंद्रों तक जाने में दिक्कत होती है, उनकी सुविधा का ध्यान रखें। एमएमयू के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने में गर्भवती, शिशुवती और किशोरियों के साथ ही स्वच्छता दीदियों, वृद्धजनों, दिव्यांगजनों और बाल गृह को प्राथमिकता देते हुए काम करें।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 की तैयारियों की ली जानकारी - कलेक्टर ने बैठक में स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग के लिए सभी मानदंडों पर प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सभी नगरीय निकाय अधिकारियों को हर सप्ताह सुबह अपने क्षेत्र के वार्डों में भ्रमण कर स्वच्छता और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था का जायजा लेने के निर्देश दिए।

चौक-चौराहों के सौंदर्यीकरण और सार्वजनिक स्थलों पर विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश - कलेक्टर श्री शर्मा ने नगरीय निकायों में चौक-चौराहों को स्वच्छ रखने और उनके सौंदर्यीकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक तौर पर क्षेत्र के दो-दो चौक-चौराहों की जानकारी प्रस्तुत करें जिनका सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इसी तरह उन्होंने शहर में चौक, सार्वजनिक स्थलों और टी-जंक्शन सड़कों पर बेहतर विद्युत व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने नगरीय क्षेत्र में हो रहे निर्माण कार्यों की भी समीक्षा और समयसीमा में पूर्ण कराने के निर्देश सभी अधिकारियों को दिए। इसी तरह कलेक्टर ने धन्वंतरि मेडिकल योजना, गोधन न्याय योजना और ओबीसी सर्वेक्षण पर चर्चा करते हुए सभी सीएमओ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। बैठक में नगरनिगम चिरमिरी के आयुक्त श्री विजेंद्र सिंह, एवं समस्त नगरपालिका परिषद व नगर पंचायत के मुख्य नगरपालिका अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर की पहल पर दो महीने में ही मिली अनुकंपा नियुक्ति

दिवंगत क्लर्क के पुत्र की जिला कोषालय कार्यालय में हुई पदस्थापना

कलेक्टर ने सेवा भाव और पूरी निष्ठा से काम करने की सलाह के साथ शुभकामनाएँ भी दी

कोरबा। कलेक्टर श्रीमती रानू साहू की पहल पर कलेक्टर कार्यालय के जिला कोषालय में पदस्थ क्लर्क के मृत्यु होने के दो महीने में ही उनके पुत्र को नौकरी मिल गई है। जिला कोषालय में सहायक ग्रेड-3 में पदस्थ स्व. नर्मदा प्रसाद यादव के पुत्र श्री बालेश्वर प्रसाद यादव को जिला कोषालय में ही भृत्य के पद पर अनुकंपा नियुक्ति दी गई है। स्व. नर्मदा यादव की आकस्मिक मृत्यु 12 दिसम्बर 2021 को हो गई थी। स्व. नर्मदा प्रसाद यादव के मृत्यु के पश्चात उनके आठवीं पास पुत्र श्री बालेश्वर प्रसाद यादव ने जनवरी 2022 में अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया था। कलेक्टर श्रीमती रानू साहू ने संवेदनशीलता दिखाते हुए आवेदन पर त्वरित कार्रवाई की।

कलेक्टर के त्वरित कार्रवाई के फलस्वरूप काफी कम समय में ही बालेश्वर यादव को अनुकंपा नियुक्ति मिल गई है। कम समय में नौकरी मिल जाने से बालेश्वर यादव और उनके परिवार वालों ने जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया है। कलेक्टर श्रीमती साहू ने नियुक्ति पत्र जारी करते हुए बालेश्वर यादव और उनके परिवार को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बालेश्वर यादव को पूरी निष्ठा और सेवा भाव से काम करने की भी सलाह दी।

राज्य शासन द्वारा अनुकम्पा नियुक्ति के 10 प्रतिशत पदों के सीमा बंधन को 31 मई 2022 तक शिथिल किया गया है। इसके फलस्वरूप स्व. नर्मदा प्रसाद यादव के पुत्र बालेश्वर यादव को अनुकंपा नियुक्ति दी

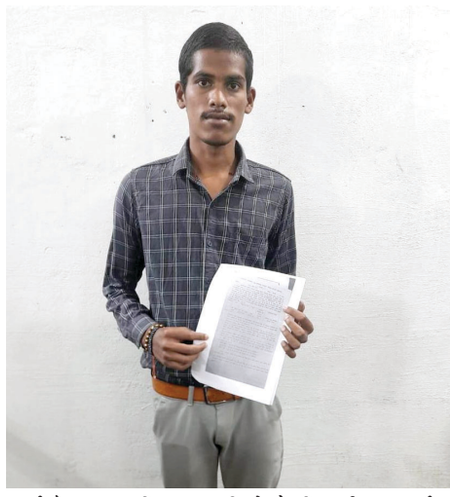

गई है। मूलत: बिलासपुर जिले के निवासी स्व. नर्मदा यादव लगभग तीन वर्षों से जिला कोषालय कार्यालय कोरबा में सहायक ग्रेड-3 के पद पर पदस्थ थे। उनके तीन पुत्र और एक पुत्री हैं। नौकरी मिलने के बाद बालेश्वर यादव ने बताया कि उनके पिताजी की मृत्यु के पश्चात् परिवार को विपरित आर्थिक परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा था। घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। उनके पिताजी ने घर बनाने के लिए बैंक से लोन प्राप्त किया था। लोन लिये गये राशि में से पांच लाख रूपये बैंक को चुकाने के लिए बाकी है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा काफी कम समय में अनुकंपा नियुक्ति दिए जाने से घर के आर्थिक परिस्थितियों में सुधार होगी। साथ ही बैंक के कर्ज को चुकाने में भी मदद मिलेगी। बालेश्वर ने बताया कि नौकरी मिलने से उनकी माता और भाईयों के पालन-पोषण में भी सहायता मिलेगी।

जिले में 23 से 6 अप्रैल तक दिव्यांगजनों के लिए शिविर का होगा आयोजन

नवीन आधार कार्ड, पेंशन के आवेदन और दिव्यांगता प्रमाण पत्र, तीनों काम होंगे एक ही जगह

कलेक्टर ने सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने वीसी के माध्यम से सभी एसडीएम और सीईओ जनपद पंचायत को किया निर्देशित

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन की पहल पर जिले में ऐसे दिव्यांगजनों, जिनके पास आधार कार्ड नहीं है, उन्हें आधार कार्ड की सुविधा प्रदाय करने के लिए शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में पेंशन की पात्रता रखने वाले दिव्यांगजनों के लिए आवेदन करने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इसके साथ ही मेडिकल बोर्ड की टीम भी शिविर में मौजूद रहेगी, जिससे जिन दिव्यांगजनों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र नहीं बना हो, उन्हें शिविर स्थल पर यह महत्वपूर्ण दस्तावेज उपलब्ध कराया जा सके।

कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने शिविर के संबंध में उचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी एसडीएम और सीईओ जनपद पंचायत को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि शिविर से संबंधित सभी विभाग अपनी तैयारियां सुनिश्चित करें। दिव्यांगजनों को किसी भी तरह की समस्या ना हो, इसका जरूर ध्यान रखें। शिविर में दिव्यांगजनों की मदद के लिए एनसीसी के छात्र-छात्राओं का सहयोग लिया जा सकता है।

23 मार्च से 06 अप्रैल तक होगा शिविर का आयोजन: 23 मार्च से 6 अप्रैल तक 9 शिविरों का आयोजन कर प्रात: 11रू00 से 4रू00 बजे तक दिव्यांगजनो के आधार कार्ड बनाये जायेंगे। जिसमें 23 मार्च 2022 को बैकुण्ठपुर के जनपद पंचायत सभाकक्ष में, 24 मार्च को सोनहत के सामुदायिक भवन जनपद पंचायत, 25 मार्च को रामगढ़ के ग्राम पंचायत भवन, 29 मार्च को खडगवां के सामुदायिक भवन जनपद पंचायत खडगवां, 30 मार्च को भरतपुर के सामुदायिक भवन जनपद पंचायत भरतपुर, 31 मार्च का कोटाडोल ग्राम पंचायत भवन, 1 अप्रैल को केल्हारी ग्राम पंचायत भवन, 4 अप्रैल को मनेन्द्रगढ़ जनपद सभा कक्ष, 06 अप्रेल को नगर पालिका चिरमिरी सभा कक्ष में शिविर आयोजित किए जायेंगे।

राष्ट्रव्यापी कोविड टीकाकरण के तहत अब तक 180.80 करोड़ से अधिक लगे टीके

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली । भारत का कोविड-19 टीकाकरण कवरेज आज सुबह 7 बजे तक अंतिम रिपोर्ट के अनुसार 180.80 करोड़ (1,80,80,24,147) से अधिक हो गया। इस उपलब्धि को 2,12,61,666 टीकाकरण सत्रों के जरिये प्राप्त किया गया है।

12-14 आयु वर्ग के लिए कोविड-19 टीकाकरण 16 मार्च,2022 को प्रारंभ हुआ था। बीते चौबीस घंटे में 3 लाख(3,00,405) से अधिक किशोरों को कोविड-19 टीके की पहली खुराक लगाई गई।

लगातार गिरावट दर्ज करते हुए भारत में सक्रिय मामले आज कम होकर 30,799 रह गए। सक्रिय मामले कुल मामलों के 0.07 प्रतिशत हैं।

नतीजतन, भारत में स्वस्थ होने की दर 98.73 प्रतिशत है।पिछले 24 घंटों में 4,491 रोगियों के ठीक होने के साथ ही स्वस्थ होने वाले मरीजों (महामारी की शुरुआत के बाद से) की कुल संख्या बढ़कर 4,24,54,546 हो गई है। बीते 24 घंटे में कोरोना के 2,539 नए मामले सामने आएं। 24 घंटों में कुल 7,17,330 जांच की गई हैं। भारत ने अब तक कुल 78.12 करोड़ से अधिक (78,12,24,304) जांच की गई हैं। साप्ताहिक और दैनिक पुष्टि वाले मामलों की दर में भी लगातार गिरावट दर्ज की गई हैर। देश में साप्ताहिक पुष्टि वाले मामलों की दर 0.42 प्रतिशत है और दैनिक रूप से पुष्टि वाले मामलों की दर 0.35 प्रतिशत है।

बस्तर में अधिकतम तापमान सामान्य से 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई

जगदलपुर। बस्तर संभाग मुख्यालय के साथ दक्षिण और पश्चिम बस्तर के कोंटा और भोपालपटनम में इन दिनों गर्मी पड़ने से लोगों की परेशानी बढ़ना शुरू हो गया है। मौसम विज्ञान केंद्र रायपुर के मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा के अनुसार हवा की दिशा उत्तर पश्चिम होने से मौसम शुष्क रहेगा। प्रदेश में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में वृद्धि होगी। लगभग सभी क्षेत्रों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक लगभग 03 से 05 डिग्री सेल्सियस ज्यादा दर्ज किया गया है। मौसम वैज्ञानिक एचपीचंद्रा के मुताबिक तापमान वृद्धि का सिलसिला ऐसा ही बना रहा तो पिछले 10 वर्षों का रिकार्ड टूट सकता है। बस्तर संभाग मुख्यालय में अधिकतम तापमान सामान्य से 03 डिसे. ज्यादा 38 डिसे और न्यूनतम तापमान 01 डिसे अधिक 19.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

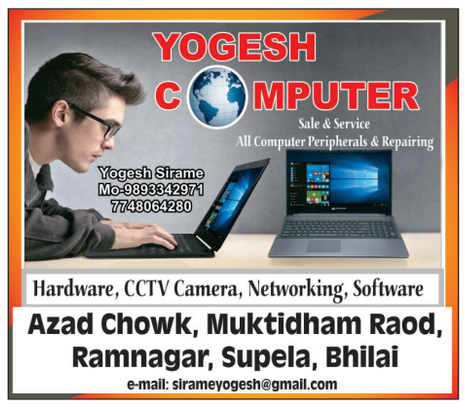

खास-खबर

पुराने विवाद में बदमाश ने युवक पर किया चाकू से हमला, हालत गंभीर

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर में एक युवक पर पुरानी बात को विवाद के चलते दूसरे बदमाश ने चाकू से हमला कर दिया। जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया उसे अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। जहां उसका इलाज जारी है। बदमाश ने पेट में कई घाव मारे हैं। सतबहनिया मन्दिर के पास चाकूबाजी की घटना हुई। रक्सेल गैंग के रोशन मरकाम ने आदित्य कुर्रे को पेट में मारे कई वार किया। घायल युवक आदित्य को गंभीर हालत में मेकाहारा में भर्ती किया गया है। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सिविल लाइन थाना इलाके का मामला। सिविल लाइन थाना पुलिस आरोपी की पहचान कर उसकी खोज में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार घायल आदित्य घर के बाहर बैठा हुआ था। तभी रोशन आया और गाली गलौज देते हुए, अपने पास रखें चाकू से हमला कर दिया। आरोपी ने पेट पर चाकू से हमला किया।

कोडिया ब्रिक प्लांट परिसर में खड़ा हाइवा से एयर क्लीनर चोरी

बिलासपुर (ए)। ग्राम पंचायत कोडिया स्थित ब्रिक प्लांट परिसर में खड़ा हाईवा केयर क्लीनर चोरी हो गई होली की रात किसी अज्ञात चोरों ने पाना पेचकस के मदद से एयर क्लीनर को निकाल कर भाग निकले। जिसकी कीमत 15 हजार बताई जा रही है। शनिवार की सुबह हाईवा चालक मौके पर पहुंचे तब चोरी के बारे में पता चला । उन्होंने वाहन मालिक को घटना के बारे में जानकारी दी। घटना से थाना क्षेत्र की है। ग्राम पंचायत गुड़ी के रहने वाले सुरेश कुमार यादव गाड़ी चलाने का काम करते हैं इन दिनों वे एनटीपीसी प्लांट में हाईवा चलाते हैं होली त्यौहार के एक दिन पहले काम बंद करके वह हाइवा को ग्राम पंचायत कोडिया स्थित ब्रिक प्लांट परिसर के पास खड़ा कर के घर चले गए थे। फिर शुक्रवार को दिन भर होली त्यौहार मनाया इस दौरान ब्रिक प्लांट में भी काम बंद रहा शनिवार की सुबह चालाक अपनी ड्यूटी पर जाने के लिए निकले थे उन्होंने ब्रिक प्लांट के पास पहुंचे तब पता चला कि हाईवा से एयर क्लीनर पार्ट्स चोरी हो गई थी। चालक ने आसपास लोगों से पूछताछ की लेकिन किसी ने कोई जानकारी नहीं दी चालक का कहना है कि एयर क्लीनर को खोलने के लिए पाना पेचिस का सहारा लेना पड़ता है। इसके बगैर खोल पाना संभव नहीं है। उन्होंने संदेह जताया है कि किसी जानकार लोगों ने ही इस घटना को अंजाम दिया है। वाहन मालिक को सूचना देने के बाद हाइवा को सुधार करवाने के लिए गैरेज लेकर चले गए। इस घटना के कारण दिन भर काम प्रभावित रहा।

शराबी पति से परेशान थी पत्नी, पत्थर से सिर कुचलकर कर दी हत्या

बिलासपुर (ए)। कोटा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नेवसा में आपसी विवाद के चलते पत्नी ने अपने ही पति के सिर व चेहरे में पत्थर से वारकर हत्या कर दी। यह घटना होली की देर रात हुई। जब मृतक देवी राम यादव 36 साल ग्राम नेवसा शराब के नशे में अपनी पत्नी व बच्चों के साथ मारपीट कर रहा था। उसी बीच मृतक शराब के नशे में अपनी पत्नी को जान से मारने के लिए पत्थर को उठाकर मारने की कोशिश की जिससे पति जमीन पर गिर गया। इसी बीच पत्नी गुस्से आ गई और उसने उसी पत्थर को उठाकर अपने पति के चेहरे व सिर पर वार कर हत्या कर दी। सूचना पर कोटा पुलिस देर रात को घटना स्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर आरोहपत पत्नी संतोषी बाई यादव 34 साल निवासी नेवसा को गिरफ्तार कर कोटा थाना लेकर आ गई। वहीं कोटा पुलिस ने शनिवार की सुबह शव का पंचनामा कार्रवाई की। इसके बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया।

साइबर सेल के एएसआई की हत्या

सरकारी क्वार्टर के सामने कुछ लोग दे रहे थे गालियां, समझाने गए तो मार डाला

महासमुंद (ए)। महासमुंद में शनिवार देर रात साइबर सेल के एएसआई विकास शर्मा (41) की हत्या कर दी। बदमाश उनके सरकारी क्वार्टर के बाहर गालियां दे रहे थे। तभी विकास उन्हें समझाने के लिए गए थे। अभी उनकी मौत कैसे हुई यह पता नहीं चल सका है। फिलहाल सूचना मिलने पर पुलिस के आला अफसर भी मौके पर पहुंच गए हैं। विकास के पिता का पहले ही निधन हो चुका है। वह अपनी मां के साथ ही रहते थे। हालांकि पुलिस ने अभी हत्या का मामला दर्ज नहीं किया है।

कोतवाली क्षेत्र स्थित पंचशील क्लब के सामने ही सरकारी क्वार्टर है। विकास की मां भी सरकारी कर्मचारी थी। रिटायरमेंट के बाद दोनों साथ में यहीं रहते थे। बताया जा रहा है कि रात करीब 10.30 बजे कुछ लोग उनके घर के पास खड़े होकर झगड़ा और गाली-गलौज कर रहे थे। शोर सुनकर विकास बाहर निकले और उन्हें समझाने का प्रयास किया। इसी बीच किसी ने विकास को धक्का दे दिया। धक्का लगते ही विकास सड़क पर गिर पड़े और बेहोश हो गए।

आसपास के लोगों ने विकास को सड़क पर पड़े देखा तो उन्हें उठाकर स्थानीय प्राइवेट अस्पताल ले गए। वहां उपचार के दौरान देर रात उन्होंने दम तोड़ दिया। उनकी मौत की सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में लोग घर और अस्पताल पहुंच रहे हैं। बताया जा रहा है कि विकास के बचपन में ही उनके पिता का निधन हो गया था। इसके बाद उनकी मां ने ही उन्हें पढ़ाया-लिखाया। पुलिस ड्यूटी के चलते ही विकास ने शादी नहीं करने का भी फैसला किया था।

बाहरी चोट के निशान नहीं, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

पुलिस की ओर से बताया गया है कि एएसआई विकास शर्मा के क्लब पारा स्थित घर के पास 4-5 युवको के बीच विवाद हो रहा था। उसे सुलझाने के दौरान धक्का-मुक्की होने से विकास शर्मा बेहोश होकर गिर पड़े। तभी पास में खड़े दुर्गेश कन्नौजे, वर्मा व अन्य लोगों ने उन्हें जैन नर्सिंग होम में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। उनके शरीर पर कहीं भी बाहरी चोट और चाकू से मारने के निशान नहीं मिले हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे कार्रवाई होगी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में 5 संदेहियों को हिरासत में लिया गया है। इसके साथ ही प्रत्यक्षदर्शियों से भी पूछताछ की जा रही है। एएसआई विकास शर्मा का छोटा भाई आकाश शर्मा जो Adpo है वह भी पहुंच चुके हैं। आज जिला अस्पताल में कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में पंचनामा की कार्यवाही की गई है व डॉक्टरों की टीम द्वारा पोस्टमार्टम किया जा रहा है।

सिपाही के रूप में हुए थे भर्ती, पदोन्नति पाकर एएसआई बने

विकास शर्मा छात्र जीवन से बॉक्सिंग के खिलाड़ी रहे। उन्होंने बेहतर खेल से कई मेडल अपने नाम किया। पुलिस विभाग में सिपाही के रूप में भर्ती हुए। फिर अच्छे प्रदर्शन के चलते हेड कांस्टेबल और उसके बाद एएसआई बने थे। बाद में क्राइम ब्रांच में सेवा देते रहे। हाल ही में उन्हें नारकोटिक्स सेल में भेजा गया था। विकास स्नेक केचर के रूप में भी मशहूर थे। लोगों के घरों में निकले विषैले सांप को आसानी से पकड़कर जंगल छोड़ने में विकास को महारत थी।

जादू-टोना के शक में ग्रामीण की हत्या

युवकों ने डंडे से पीट-पीटकर मार डाला, 3 आरोपी गिरफ्तार

कांकेर (ए)। कांकेर जिले में जादू-टोना के शक में एक ग्रामीण की हत्या कर दी गई है। गांव के ही युवकों ने डंडे से पीट-पीटकर ग्रामीण को मार डाला। इधर, हत्या के कुछ ही घंटों के अंदर पुलिस ने शनिवार को 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही आरोपियों के पास से हत्या में इस्तेमाल किए डंडे को भी बरामद किया है। मामला आमाबेड़ा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, आमाबेड़ा गांव के रहने वाले लदू राम कुमेटी को आलानार घोटुल आंगन में गांव के ही कांडे कुमेटी (25), रामा कुमेटी (21) और हिराऊ कुमेटी (23) ने डंडे से पीट-पीटकर कर मार डाला। वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों आरोपी फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जिन्होंने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। जिसके बाद आरोपियों की तलाश में पुलिस जुट गई थी।

कुछ घंटे के बाद पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली की तीनों आरोपी गांव में ही एक घर में छिपकर बैठे हुए हैं। मुखबिर की इसी सूचना के आधार पर जवानों ने घेराबंदी की और तीनों आरोपियों को पकड़ लिया। जिन्हें थाना में लाकर पूछताछ किया गया। जिसमें तीनों ने अपना जुर्म कबूल लिया। पुलिस ने इनके पास से हत्या में इस्तेमाल किए डंडे को भी बरामद कर लिया है। मृतक के भाई बसनु कुमेटी ने बताया कि उसका भाई जादू-टोना नहीं करता था।

तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई, हादसे में महिला टीचर की मौत

दुर्ग। दुर्ग में हुई सड़क दर्घटना में एक स्कूल टीचर की मौत हो गई। वहीं उसकी बहन के लड़के हालत गंभीर है। टीचर अपनी बहन के लड़के साथ कार में बालोद स्कूल जा रही थीं। अंडा थाने के आगे अचानक सड़क में एक कुत्ता आ गया। कुत्ते को बचाने के चलते ड्राइवर ने संतुलन खो दिया और कार एक पेड़ से टकरा गई। इससे कार के परखच्चे उड़ गए। दुर्ग कोतवाली पुलिस ने मर्ग कायम पीएम के बाद मर्ग डायरी अंडा थाने को भेज दी है।

दुर्ग ग्रामीण एएसपी अनंत कुमार ने बताया कि दुर्घटना में जिस महिला की मौत हुई है उसकी पहचान एनी सीमा सिंह (53) के रूप में हुई है। वह बालोद में शासकीय स्कूल में टीचर थी। वह क्वार्टर नंबर 8ए सड़क नंबर 12 सेक्टर 1 भिलाई में रहती हैं। एनी सीमा शनिवार सुबह अपनी बहन के बेटे मनीष सैम्युअल (36) को लेकर कार से बालोद जा रही थी। सुबह 9.30 बजे के करीब वह जैसे ही अंडा थाने से आगे पहुंची अचानक कार के सामने एक कुत्ता आ गया। कुत्ते को बचाने के लिए मनीष ने कार को किनारे किया। इससे वह संतुलन खो बैठा और कार सड़क से उतर कर किनारे लगे बड़े पेड़ से जा टकराई। अधिक स्पीड में कार टकराने से उसके परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना में अधिक ब्लड निकलने से एनी सीमा सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। मनीष को तुरंत दुर्ग अस्पताल ले जाया गया। गंभीर हालत के चलते डॉक्टरों ने उसे रायपुर रेफर किया है।

बेटा रहता है विदेश में

पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि एनी सीमा सिंह ने अपनी बहन के एक बेटे को गोद लिया हुआ है। वह विदेश में नौकरी करता है। वहीं बहन का दूसरा बेटा मनीष भी अपने परिवार के साथ सेक्टर 1 में ही रहता है। वह हमेशा की तरह शनिवार सुबह अपनी मौसी को छोड़ने बालोद जा रहा था।

ब्लेड से हमला करने वाली महिलाएं गिरफ्तार

कॉलेज की स्टूडेंट को पकड़कर करने लगी कपड़े फाड़ने की कोशिश

रायपुर (ए)। रायपुर की पुलिस ने अपने इलाके में गुंडागर्दी और ब्लेड से दूसरी महिलाओं पर हमला करने वाली तीन औरतों को गिरफ्तार किया है। इन तीनों ने एक पुराने झगड़े का बदला लेने की नीयत से एक कॉलेज स्टूडेंट और अन्य महिला पर जानलेवा हमला किया इनके साथ एक नाबालिग भी पकड़ी गई है।

मामला रायपुर के मौदहापारा स्वीपर कॉलोनी से जुड़ा हुआ है। अंजलि नाम की कॉलेज स्टूडेंट इस इलाके में अपनी नानी के पास होली का त्यौहार मनाने पहुंची थी। जब वह नानी के घर से लौटने लगी तो कुछ महीने पहले हुए झगड़े की बात को लेकर मुस्कान रात्रे, उसकी मां मीरा रात्रे और मामी सुनीता रक्सेल ने बहस बाजी शुरू कर दी।

अंजलि ने पुलिस को बताया कि इन महिलाओं को गाली गलौज करता देख मोहल्ले में ही रहने वाली अंजली की आंटी मोहनी खान ने दखल दिया इसके बाद तीनों आरोपी महिलाएं मिलकर गाली गलौज पर उतर आई अश्लील बातें कहने लगी।

स्टूडेंट ने बताया कि इन महिलाओं ने मेरे साथ बदसलूकी करते हुए मेरे कपड़े फाड़ने की कोशिश की जब मेरी आंटी मोहनी ने और उनके बेटे अमन ने बीच बचाव किया। तो मुस्कान रात्रे ने अपने पास रखे ब्लेड से अंजलि और मोहनी खान पर हमला कर दिया। अंजलि और मोहनी दोनों को चेहरे और सीने पर चोट आई है। मामले की शिकायत मौदहापारा थाने में की गई और अब पुलिस ने इन तीनों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया है। इस पूरे विवाद को लेकर पूछताछ की जा रही है

महिला की मिली अधजली लाशः हत्या कर जलाने की आशंका

आस-पास के गांव में फोटो दिखाकर पता लगा रही पुलिस

कांकेर (ए)। कांकेर जिले में एनएच-30 के किनारे एक महिला की अधजली लाश मिली है। बताया जा रहा है कि महिला की पहले हत्या कहीं और की गई, फिर लाश को एनएच-30 के किनारे लाकर सूखे पत्ते इकठ्ठे कर जलाने की कोशिश की गई है। शनिवार की सुबह ग्रामीणों ने पुलिस को लाश मिलने की सूचना दी। फिलहाल शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। शव की फोटो दिखाकर पुलिस आस-पास के गांव में महिला के बारे में पता लगाने की कोशिश कर रही है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, कांकेर से कोकोड़ी जाने वाले मार्ग में लाश मिली है। शनिवार की सुबह जब राहगीर इस मार्ग से गुजर रहे थे तो उनकी नजर लाश पर पड़ी। जिसके बाद उन्होंने फौरन आस-पास के गांव के ग्रामीणों को इसकी सूचना दी। फिर ग्रामीणों ने पुलिस को लाश मिलने की जानकारी दी। मौके पर पहुंचे जवानों ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। शव आधा जल गया है लेकिन चेहरा नहीं जल पाया है।

लाश की फोटो लेकर पुलिस अब आस-पास के गांव में जाकर महिला की पहचान करने की कोशिश कर रही है। साथ ही जिले के अन्य थानों में भी किसी महिला के गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है इस बारे में भी पता लगाया जा रहा है। कांकेर के स्कशलभ सिन्हा ने कहा कि प्रारंभिक जांच में लग रहा है कि महिला की हत्या करने के बाद शव को जलाने का प्रयास किया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

पीड़ित के घर घुसकर की मारपीट की धमकी देने वाला पकड़ाया

बिलासपुर (ए)। तीन माह पहले युवक ने पीड़ित युवती के घर में घुसकर मारपीट की। इसके बाद वह भाग निकला। पीड़ित ने अपने पिता के साथ रतनपुर थाने में की। इसके बाद पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। शुक्रवार को युवक होली मनाने के लिए अपने गांव आया था। इसकी जानकारी होने पर पुलिस ने आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

रतनपुर क्षेत्र में रहने वाली किशोरी ने बेलपारा बेलतरा में रहने वाले युवक आशिक यादव के खिलाफ गंभीर मामलों में शिकायत की थी। इस पर पुलिस ने आरोपित युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। न्यायालय से जमानत मिलने के बाद युवक गांव में ही रह रहा था। 20 जनवरी की रात वह दीवार फांदकर पीड़ित के घर घुस गया। उसने पीड़ित से मारपीट की। इस दौरान बीच—बचाव के लिए आए पीड़ित के ?स्वजन को भी जान से मारने की धमकी देते हुए केस वापस करने के लिए कहा। मारपीट के बाद आरोपित युवक वहां से भाग निकला। पीड़ित अपने पिता के साथ रतनपुर थाने पहुंची।

उसके पिता की शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर आरोपित की तलाश शुरू कर दी। इस बीच आरोपित युवक गांव से फरार हो गया था। पुलिस उसके परिवार वालों से जानकारी लेकर संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। शुक्रवार की सुबह पता चला कि आरोपित युवक होली त्योहार मनाने के लिए गांव आया है। इस पर पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपित युवक को न्यायालय में पेश किया है।

खास - खबर

बीएसपी के जेएलएन अस्पताल में राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस का सफल आयोजन

भिलाई। 16 मार्च, 2022 को सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जेएलएन अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र के षिषु रोग एवं नवजात षिषु रोग विभाग द्वारा राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ईडी (एम एंड एचएस), डॉ एस के इस्सर के मार्गदर्शन में तथा सीएमओ (एम एंड एचएस), द्वय डॉ एम रवींद्रनाथ एवं डॉ प्रमोद बिनायके तथा डॉ सुबोध कुमार साहा, डॉ संबिता पंडा, डॉ नोहर सिंह ठाकुर की उपस्थिति में आयोजित किया गया। जिसमें राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस 2022 के थीम- 'सभी के लिए कारगार हैं टीके' पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में जेएलएन अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र के षिषु रोग एवं नवजात षिषु रोग विभाग ने भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दर्षायी। विदित हो कि टीकाकरण के महत्व के साथ-साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य में इसकी भूमिका को रेखांकित करने के लिए हर साल 16 मार्च को राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस मनाया जाता है। 1995 में 16 मार्च के दिन ही भारत में ओरल पोलियो वैक्सीन की पहली खुराक दी गई थी। इसके उपलक्ष्य में 16 मार्च को राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस मनाया जाता है। टीकाकरण अत्यधिक संक्रामक रोगों को रोकने का सबसे प्रभावी तरीका है। पिछले कुछ दशकों में टीका, दुनिया भर में जानलेवा बीमारियों से लड़ने का एक महत्वपूर्ण साधन बन चुका हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, टीके से हर साल लगभग 20 से 30 लाख लोगों की जिन्दगी बचाई जा रही है। इस वर्ष यह दिन महत्वपूर्ण है क्योंकि देश ने अपना सबसे बड़ा कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम 2021 में शुरू किया था और 96 करोड़ से अधिक भारतीय नागरिकों को कम से कम 1 खुराक लगाई जा चुकी है और 81 करोड़ से अधिक भारतीय नागरिकों ने अब तक कोविड-19 टीकों की दोनों खुराक प्राप्त कर ली है। दिनांक 15 मार्च, 2022 के पूर्व चूंकि कोविड-19 महामारी पूरी दुनिया में व्याप्त है, इसलिए भारत सरकार भारत के प्रत्येक नागरिक को इस बीमारी के खिलाफटीका लगाने के लिए हर आवश्यक कदम उठा रही है।

रंगोत्सव में जमकर थिरके विधायक,महापौर,आयुक्त एवं सभापति,होली के रंग में डूबे उड़े अबीर गुलालः

दुर्ग। नगर निगम में कर्मचारियों ने होली मिलन समारोह मनाया। जिसमें विधायक अरुण वोरा, मेयर धीरज बाकलीवाल,कमिश्नर हरेश मंडावी, सभापति राजेश यादव समेत पार्षद,एल्डरमेन व अधिकारियों और कर्मचारियों ने जमकर होली खेली,रंगों से भरा निगम। समारोह में जहां अबीर गुलाल उड़े, वहीं चुटकले और कविताओं ने भी समां बांध दिया। विधायक अरुण वोरा एवं मेयर धीरज बाकलीवाल ने सभी पार्षदों,नागरिकों और अधिकारियों-कर्मचारियों के होली पर्व की शुभकामनाएं दी। वहीं होली पर्व को शांतिपूर्वक मनाने की अपील की। विधायक एवं मेयर बोले, रंग सद्भाव और स्नेह का संदेश देती है होली।होली के रंगों के साथ नाचे निगम पार्षद,अधिकारी व कर्मचारी, उन्होंने सभी शहरवासियों को होली पर्व को शांति और सद्भाव के साथ मनाने की अपील की। निगमायुक्त हरेश मंडावी ने कहा कि होली के रंगों ने नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों में एक ऐसी उमंग और उत्साह का संचार किया है, जो स्वच्छ सर्वेक्षण में दुर्ग शहर को पायदान नंबर एक पर लाने में मदद करेगा।इस अवसर पर अब्दुल गनी,संजय कोहले,दीपक साहू,मनदीप सिंह भाटिया,जमुना साहू,भोला महोविया, नेता प्रतिपक्ष अजय वर्मा, राजकुमार नारायण,पार्षद श्रद्धा सोनी,बिजेंद्र भारद्वाज,मनीष साहू,उषा ठाकुर,निर्मला साहू,भास्कर कुंडले,ज्ञानदास बंजारे, काशीराम कोसरे,प्रकाश जोशी,कमल देवांगन,हिमेश्वरी निषाद,एल्डरमेन रत्ना नारमदेव,अजय गुप्ता, अंशुल पांडेय,कृष्णा देवांगन, मनीष यादव,हरीश साहू, पूर्व पार्षद प्रकाश गीते,कुलेश्वर साहू समेत अधिकारी कार्यकारीगण मौजूद थे।

निगम सामान्य सभा की बजट बैठक 29 मार्च को बीआईटी कॉलेज में होगा

दुर्ग। नगर पालिक निगम ।विषयांकित के संबंध में अनुरोध हैं महापौर धीरज बाकलीवाल और सभापति राजेश यादव के द्वारा दिये गये निर्देशानुसार सामान्य सभा की बजट बैठक दिनांक 29 मार्च 22 को भिलाई प्रौद्योगिकी तकनीकी संस्थान बीआईटी (BIT) रायपुर नाका, दुर्ग के मैकनिकल कान्फ्रेंस हॉल मे आयोजित की जावेगी। इस क्रम में छ0ग0 नगर पालिका कामकाज के संचालन की प्रक्रिया नियम 2016 के नियम 18 के तहत् आप विकास कार्यों एवं अन्य विषयों पर प्रश्न पूछना चाहते है तो कृपया 2 प्रश्न पृथक-पृथक आवेदन में दिनांक 23 मार्च 22 दिन बुधवार को समय 4.00 बजे तक अपना लिखित प्रश्न 3 प्रति में प्रस्तुत करने का कष्ट करेगें। ताकि उत्तर समय पर तैयार किया जा सके।

परिवार संग मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने खेली होली, पत्नी को लगाया तिलक, नगाड़े की धुन पर गाया फाग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रंगों के पर्व होली पर शुक्रवार को सीएम भूपेश बघेल के भिलाई तीन स्थित निवास भी खूब मस्ती हुई। मुख्यमंत्री बघेल ने अपने निवास पर पूरे परिवार के साथ होली का आनंद लिया। इस दौरान उन्होंने पत्नी को तिलक लगाया और बेटे के साथ भी होली खेली। इस दौरान उन्होंने नगाड़ा भी बजाया और फाग गीत भी गाए। सीएम बघेल ने इस मौके पर पूरे प्रदेश वासियों को होली की शुभकामनाएं दीं।

पुत्र के साथ सीएम बघेल

सीएम निवास पर आज होली के मौके पर दिनभर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। वे सुबह ही रायपुर से भिलाई तीन स्थित अपने घर पहुंचे। यहां उन्होंने पत्नी, बेटे और रिश्तेदारों के साथ होली मनाई। बड़ी संख्या में दुर्ग जिला प्रशासन के अफसर और स्थानीय कांग्रेस नेता भी मुख्यमंत्री को होली की बधाई देने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पूरी मस्ती के साथ होली मनाई और लोगों को शुभकामना दी।

पत्नी को तिलक लगाकर खेली होली

होली के दौरान सीएम बघेल ने नगाड़ा बजाकर फाग गीत भी गाए। उन्होंने सीएम हाउस पर पहुंचे समर्थकों के साथ बैठक कर काफी देर तक नगाड़ा बजाया और फाग गीत गाए। इस दौरान उनका उमंग देखते ही बनता था। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भिलाई 3 स्थित आवास में सुबह 10 बजे से होली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दोपहर 3 बजे तक यहां होली का कार्यक्रम चलता रहा।

प्रदेश वासियों के लिए की मंगलकामना

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने पूरे प्रदेश वासियों को बधाई देते हुए उनकी मंगलकामना की।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा उत्साह, उमंग, रंगों, खुशियों इस त्योहार की सभी प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं। मैं ईश्वर से सभी नागरिकों के लिए सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करता हूं। उन्होंने कहा कि ऊंच-नीच, छोटे-बड़े, जात-पात से परे सभी लोग आपसी स्नेह के रंग में सराबोर होने का दिन है। इसलिए सभी भाईचारे के साथ इस पर्व को मनाएं।

भिलाईवासियों ने हर्षोउल्लास के साथ जमकर मनाई होली त्यौहार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आपसी सौहार्द ,भाईचारा व रंगो का त्योहार होली टिवनसिटी में धूमधाम से मनाई गई।

होली से पूर्व विभिन्न संगठनों द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन जगह-जगह पर किया गया। लोगों ने फाग के गीत गाए। होलिका दहन के बाद सुबह से लोगों में होली का खुमार चढ़ा।

सभी वर्ग के लोगों में होली को लेकर उत्साह देखा गया। सुबह से ही लोगों ने एक दूसरे को रंग लगाना शुरू कर दिया। युवाओं की टोली होली की मस्ती में पूरी तरह डूबी थी। जो लोगों को रंग लगाकर आपसी सौहार्द व भाईचारगी को बढ़ा रहे थे।

स्कूली बच्चों में भी होली का उत्साह था। महिलाएं की भी टोली बनी थी जो एक दूसरों को रंग लगाकर आपसी सौहार्द को बढ़ाया। दोपहर बाद लोगों ने गुलाल की होली खेली। लोग एक दूसरे के गाल पर गुलाल लगाए और गले लगाकर होली की बधाई दी। बच्चों ने भी अपने से बड़ों को गुलाल लगाकर आशीष लिया। लोगों के घरों में दही बारा, मलपुआ, धुस्का जैसे कई लजीज व्यंजनों बने। गुमला के शहरी क्षेत्रों के अलावा शहर से सटे पुगु, डुमरडीह, तर्री, करौंदी, करमटोली, चाहा आदि गांवों में भी होली को लेकर लोगों में उत्साह था।

डॉ. खूबचंद बघेल की अष्ट धातु से निर्मित 7 फिट ऊंची आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज बलौदाबाजार प्रवास के दौरान वहां गौरव पथ गॉर्डन में डॉ. खूबचंद बघेल की अष्ट धातु से निर्मित 7 फिट ऊंची आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल छत्तीसगढ़ मानव कुर्मी क्षत्रिय समाज के अधिवेशन में शामिल होने बलौदाबाजार पहुंचे हैं। इस अवसर पर नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ शिव कुमार डहरिया राज्यसभा सांसद श्रीमती छाया वर्मा भी उपस्थित थीं।

वर्षो से काबिज लोगों को हटाने की नहीं होगी कार्यवाही

वार्ड 2 व वार्ड 56 का वोरा ने किया दौरा, एसडीएम को दिये निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा ने आज स्थानीय नागरिकों के आग्रह पर सुबह वार्ड नंबर 2 के मिलपारा एरिया और बघेरा वार्ड क्रमांक 56 के इंदिरा नगर का दौरा किया। यहां समस्याएं सुनने के बाद वोरा ने वार्ड के नागरिकों को आश्वस्त किया कि जो जहां है, वहीं रहेगा। पट?टे का नवीनीकरण किया जाएगा। तालाब सौंदर्यीकरण के नाम पर किसी को भी नहीं हटाया जाएगा। पिछले चालीस साल से जो नागरिक जिस जगह पर रहते आए हैं, वे वहीं पर रहेंगे। वोरा ने एसडीएम विनय पोयाम से कहा है कि इन वार्डों के नागरिकों को हटाने से संबंधित नोटिस न भेजें।

इससे पहले वोरा को स्थानीय नागरिकों ने समस्या बताते हुए कहा कि पिछले 40 साल से तालाब के आसपास वे कच्चे मकान बनाकर रह रहे हैं। प्रशासन द्वारा उन्हें हटाने की नोटिस भेजी जा रही है।

वोरा ने नागरिकों से कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं बनाई हैं। विशेष रूप से गरीबों के हित में भूपेश सरकार ने अनेक निर्णय लिये हैं। भूपेश सरकार की मंशा के अनुरूप मिलपारा और बघेरा एरिया में वर्षों से काबिज लोगों के पट्टे का नवीनीकरण किया जाएगा।

वोरा ने कहा कि सोमवार को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से इस संबंध में चर्चा भी करेंगे। इससे पहले सुबह साढ़े 8 बजे वार्ड में पहुंचते ही वोरा से मिलने बड़ी तादाद में स्थानीय नागरिक पहुंचे। इस मौके पर एमआईसी मेंबर भोला महोबिया, शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष कन्या ढीमर, रमेश श्रीवास्तव, अनिल जायसवाल, भूपेंद्र यादव, संजय साहू, विष्णु निषाद, लक्ष्मीनारायण साहू सहित स्थानीय नागरिक मौजूद थे। वोरा के वार्ड में पहुंचने पर स्थानीय नागरिकों ने वोरा का स्वागत तिलक लगाकर किया। वोरा ने सभी नागरिकों को होली पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दी।

भ्रम न फैलाएं भाजपा नेता

वोरा ने कहा कि भाजपा नेता पट्टा नवीनीकरण न होने का भ्रम फैला रहे है। वार्ड में लोगों के बीच यह झूठ कहा जा रहा है कि पट्टेदारों को यहां से हटा दिया जाएगा।

वोरा ने कहा कि शहर में हो रहे अभूतपूर्व विकास कार्यों के कारण भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं है। भाजपा नेता बौखला गए हैं और आम जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। किसी को भी हटाने की कार्रवाई नहीं की जाएगी। एसडीएम से पट्?टा नवीनीकरण करने कहा गया है।

यूनिवर्सल रेल मिल का रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन, निदेशक प्रभारी ने दौरा कर पीठ थपथपाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 16 मार्च 2022 को सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) जो दुनिया की सबसे लंबी 130 मीटर रेल को सिंगल पीस में रोल करती है और भारतीय रेलवे को 260 मीटर वेल्डेड रेल पैनल की आपूर्ति करती है, ने एक बार फिर से आर 260 ग्रेड और 60 ई 1 प्रोफाइल रेल के दैनिक उत्पादन में कई रिकॉर्ड स्थापित किए हैं।

यूनिवर्सल रेल मिल ने दैनिक प्राइम रेल उत्पादन में अपनी मापित क्षमता को पार कर लिया है, 16 मार्च 2022 को 3026 टन का उच्चतम प्राइम रेल उत्पादन दर्ज किया, जो 13 मार्च, 2022 को बनाये 2674 टन के अपने पिछले रिकॉर्ड के मुकाबले कहीं अधिक है। 16 मार्च 2022 को, यूआरएम ने सबसे अधिक 400 ब्लूम्स की रोलिंग कर 13 मार्च 2022 को रोल किए गए 367 ब्लूम्स के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। इस आधुनिक मिल को ब्लूम की आपूर्ति स्टील मेल्टिंग शॉप-3 से की जाती है। इसी प्रकार 16 मार्च, 2022 को 3164 टन पर फिनिष्ड रेल्स का उत्पादन कर नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए 13 मार्च 2022 को बनाए गये 2858 टन के अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। 16 मार्च को 405 नग रेल्स का विजुअल इंस्पेक्षन कर नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए 13 मार्च 2022 को बनाये गए 366 नग के अपने पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त किया। कीर्तिमान के क्रम में 16 मार्च 2022 को 270 नग 130 मीटर लंबी पटरियों का रिकॉर्ड उत्पादन किया गया जो कि 13 मार्च 2022 के पिछले सर्वश्रेष्ठ 253 नग 130 मीटर लंबी पटरियों से अधिक है। इसी प्रकार मिल ने 26 फरवरी, 2022 को 156 नग 260 मीटर लंबे वेल्डेड रेल पैनल का रिकॉर्ड उत्पादन को पार करते हुए 159 नग 260 मीटर लंबे वेल्डेड रेल पैनल उत्पादन का नया रिकॉर्ड भी दर्ज किया। उल्लेखनीय है कि 16 मार्च 2022 को, यूआरएम ने 95.67 प्रतिषत की प्राइम रेल की बेहतर स्वीकृति दर दर्ज की। भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (कार्मिक एवं प्रषासन) श्री के के सिंह तथा कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) अंजनी कुमार ने व्यक्तिगत रूप से यूनिवर्सल रेल मिल का दौरा किया ।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950